डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (मध्यप्रदेश)

(केंद्रीय विश्वविद्यालय)

ख़बरों में विश्वविद्यालय
जुलाई 2022

सार-समाचार

प्रो.राजपूत भारतीय समाजशास्त्र समीक्षा के संपादक नियुत

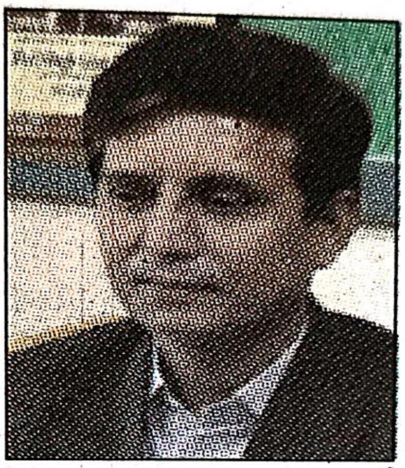

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विवि के समाजशास्त्र एवं समाजकार्य विभाग में पदस्थ प्रो.दिवाकर सिंह राजपूत को भारतीय समाजशास्त्र समीक्षा के संपादक मंडल में सदस्य मनोनीत किया गया है। इंडियन सोशियोलॉजिकल सोसाइटी नई.दिल्ली की हिन्दी शोध पत्रिका के लिए गठित संपादक मंडल में भारतीय समाजशास्त्र परिषद् की राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो.आभा चौहान जम्मू, प्रो.मनीष वर्मा लखनऊ, प्रो.श्रुति तांबे पुणे, प्रो.दिवाकर सिंह राजपूत सागर, प्रो,बी.एन.दुबे लखनऊ, प्रो.जोगदंड मुम्बई एवं प्रो.रीता रे भुवनेश्वर को नियुक्त किया गया है। उल्लेखनीय है कि प्रो.दिवाकर सिंह राजपूत देश की विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में संपादक, सलाहकार, परामर्श मंडल, विषय विशेषज्ञ तथा रेफरी के रूप में सहयोजित हैं।

प्रो.राजपूत भारतीय समाजशास्त्र समीक्षा के संपादक नियुक्त

जागरण, सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र एवं समाजकार्य विभाग में पदस्थ प्रो.दिवाकर सिंह राजपूत को भारतीय समाजशास्त्र समीक्षा के संपादक मंडल में सदस्य मनोनीत किया गया है। उल्लेखनीय है कि कि प्रो. राजपूत देश की विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में संपादक, सलाहकार/परामर्श मंडल, विषय विशेषज्ञ तथा रेफरी के रूप में सहयोजित हैं। इसके साथ ही वे पूर्व से कई विवि की विभिन्न समितियों, पैनल और विषय विशेषज्ञों के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। प्रो दिवाकर सिंह राजपूत पूर्व में इंडियन सोशियोलाजिकल सोसायटी नई.दिल्ली के ई.न्यूज़ लैटर के संपादक भी रह चुके हैं।

न्यायिक सेवा की तैयारी हेतु ऑनलाइन वर्कशॉप

नवभारत न्यूज

सागर 6 जुलाई. डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के विधि विभाग में को न्यायिक सेवा की तैयारी के लिए ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें हाल ही में न्यायिक सेवा में चयनित हुई विभाग की छात्रा निधि लारिया, ज्योति फुसकेले ने परीक्षा की तैयारी हेतु सुझाव दिए.

ज्योति ने बताया कि अनुशासित रहना बहुत जरूरी है. कभी समय बर्बाद न करें और रोज अपनी पढाई का टारगेट पूरा करना चाहिए. शिक्षक जो कमी बताएं उसे बिना किसी संकोच स्वीकार करें और उसमें आवश्यक सुधार करें. अंग्रेजी और हिंदी दोनों माध्यम से पढ़ाने वाले शिक्षकों से पढ़ें, इससे बहुत लाभ मिलता है. उन्होंने बताया कि प्रवेश लेने के बाद उन्होंने अपनी अंग्रेजी ज्ञान की कमी दूर की. छात्रा निधि लारिया ने बताया कि विद्यार्थी रहते हुए उन्हें इस बात की आवश्यकता हमेशा लगी कि पूर्व सफल सीनियर छात्र हमें मार्गदर्शन दें. उन्होंने कहा कि सफलता के लिए अभी से अपने व्यक्तित्व में सुधार लाएं. प्रारंभिक परीक्षा के लिए सम्सामयिक घटनाओं के लिए घटना चक्र जरूर पढ़ें. विधि से संबंधित प्रतिदिन पांच नए टर्म और शब्द हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में सीखें, अपनी कक्षा में नियमित रहे. शिक्षकों एवं उनके ज्ञान का पूरा लाभ उठायें. उन्होंने कहा कि वे भाग्यशाली हैं कि उन्हें बेहतर शिक्षक मिले. निधि ने बताया कि अधिनियमों को ठीक से पढ़ें उसे रटें नहीं बल्कि समझें. जनरल स्टडी के लिए समाचार पत्र, पत्रिकाये व ऑनलाइन संसाधनों का उपयोग करें. मेन्स के लिए उत्तर लिखने की तैयारी ठीक से करें. प्रश्नों को ठीक से समझकर उत्तर लिखें और जितना पूछा गया है उतना ही लिखें.

नकारात्मकता से दूर रहकर और कमियों को सुधार कर सफलता हासिल करें

सागर(नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के विधि विभाग में को न्यायिक सेवा की तैयारी के लिए एक आनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान हाल ही में न्यायिक सेवा में चयनित हुई विभाग की छात्रा निधि लारिया और ज्योति फुसकेले ने परीक्षा की तैयारियों के लिए कई सुझाव दिए।

इस दौरान ज्योति ने बताया कि अनुशासित रहना बहुत जरूरी है। कभी समय बर्बाद न करें और रोज अपनी पढाई का टारगेट पूरा करना चाहिए। शिक्षक जो कमी बताएं उसे बिना किसी संकोच स्वीकार करें और उसमें आवश्यक सुधार करें। अंग्रेजी और हिंदी दोनों माध्यम से पढ़ाने वाले शिक्षकों से पढ़ें, इससे बहुत लाभ मिलता है। उन्होंने बताया कि प्रवेश लेने के बाद उन्होंने अपनी अंग्रेजी ज्ञान की कमी दूर की। छात्रा निधि लारिया ने बताया कि विद्यार्थी रहते हुए उन्हें इस बात की आवश्यकता हमेशा लगी कि पूर्व सफल सीनियर छात्र हमें मार्गदर्शन दें। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए अभी से अपने व्यक्तित्व में सुधार लाएं। प्रारंभिक परीक्षा के लिए सम्सामयिक घटनाओं के लिए घटना चक्र जरूर पढ़ें। विधि से संबंधित प्रतिदिन पांच नए टर्म और शब्द हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में सीखे। अपनी कक्षा में नियमित रहे।

प्रतियोगिता में अधिक से अधिक संख्या में सफल हों

विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अनुपमा कौशिक ने बताया कि विभाग के विद्यार्थी प्रत्येक वर्ष इस प्रतियोगिता मे सफलता प्राप्त करते हैं। यह विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय है। इस तरह की कार्यशाला का उददेश्य यही है कि विद्यार्थी अपने पूर्व छात्रों से मार्गदर्शन लेते हुए इस प्रतियोगिता में अधिक से अधिक संख्या में सफल हों। कार्यशाला मे लगभग 100 विद्यार्थियो ने भाग लिया और सफल छात्राओं ने प्रतिभागियों के नोट्स बनाने, जजमेंट राइटिंग, इत्यादि सवालों के जवाब भी दिए। संचालन डा. विवेक दुबे ने किया। धन्यवाद ज्ञापन करते हुए डा. विकास अग्रवाल ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम आयोजन की प्रेरणा की स्रोत हमारी कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता हैं। आयोजन के लिए उन्होंने संकाय प्रमुख प्रो ठाकुर, विभागाध्यक्ष प्रो अनुपमा कौशिक के प्रति आभार ज्ञापन किया।

न्यायिक सेवा की तैयारी के लिए अनुशासित रहना जरूरी: फुस्केले

सागर | डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के विधि विभाग में बुधवार को न्यायिक सेवा की तैयारी के लिए ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान विभागाध्यक्ष प्रो. अनुपमा कौशिक ने बताया कि सागर विश्वविद्यालय के विद्यार्थी प्रत्येक वर्ष इस प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त करते हैं। ये विश्वविद्यालय के लिए बड़े ही गर्व का विषय है। इस कार्यशाला के आयोजन का उद्देश्य परीक्षा के लिए विद्यार्थियों को सही मार्गदर्शन देना है। परीक्षा में सफल रहीं ज्योति फुस्केले और निधि लारिया ने विद्यार्थियों को परीक्षा की बारीकियां बताईं। ज्योति ने कहा कि परीक्षा की तैयारी के लिए अनुशासित रहना बहुत जरूरी है। रोज अपनी पढ़ाई का टारगेट पूरा करो। शिक्षक जो कमी बताएं उसे स्वीकार करो और सुधारो। विभाग में शिक्षक अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषा में पढ़ाते हैं इससे बहुत लाभ होता है। वहीं निधि लारिया ने कहा कि बेयर एक्ट को ठीक से पढ़ें। जनरल स्टडीज के लिए समाचार पत्र, पत्रिकाएं और ऑनलाइन रिसोर्स का इस्तेमाल करें। इसके बाद विद्यार्थियों ने परीक्षा की तैयारियों को लेकर अपने सवाल भी किए।

नकारात्मकता से दूर रहकर और कमियों को सुधार कर सफलता हासिल करें

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के विधि विभाग में न्यायिक सेवा की तैयारी के लिए एक ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें हाल ही में न्यायिक सेवा में चयनित हुई विभाग की छात्रा निधि लारिया और ज्योति फुसकेले ने परीक्षा की तैयारियों के लिए कई सुझाव दिए, ज्योति ने बताया अनुशासित रहना बहुत जरूरी है। कभी समय बर्बाद न करें और रोज अपनी पढाई का टारगेट पूरा करना चाहिए। शिक्षक जो कमी बताएं उसे बिना किसी संकोच स्वीकार करें और उसमें आवश्यक सुधार करें। छात्रा निधि लारिया ने बताया विद्यार्थी रहते हुए उन्हें इस बात की आवश्यकता हमेशा लगी कि पूर्व सफल सीनियर छात्र हमें मार्गदर्शन दें। सफलता के लिए अभी से अपने व्यक्तित्व में सुधार लाएं। प्रारंभिक परीक्षा के लिएं सम्सामि्यक घटनाओं के लिए घटना चक्र जरूर पढ़ें। विधि से संबंधित प्रतिदिन पांच नए टर्म और शब्द हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में सीखें, अपनी कक्षा में नियमित रहे।

विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अनुपमा कौशिक ने बताया विभाग के विद्यार्थी प्रत्येक वर्ष इस प्रतियोगिता मे सफलता प्राप्त करते हैं, यह विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय है, इस तरह की कार्यशाला का उददेश्य यही है कि विद्यार्थी अपने पूर्व छात्रों से मार्गदर्शन लेते हुए इस प्रतियोगिता में अधिक से अधिक संख्या में सफल हों। कार्यशाला मे लगभग 100 विद्यार्थियो ने भाग लिया, संचालन डॉ.विवेक दुबे ने किया।

डॉ. संजय शर्मा को मिला डॉ. मुखर्जी सम्मान

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के प्रौढ़ शिक्षा विभाग के शिक्षक डॉ. संजय शर्मा को भारतीय बौद्ध संघ द्वारा उनके दलित विषयक चिंतन और उनके सशक्तिकरण के लिए शिक्षा के माध्यम से किए जा रहे मौलिक अकादमिक व शोध कार्यों के लिए वर्ष 2022 के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सम्मान से सम्मानित किया गया। दिल्ली स्थित एनडीएमसी सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में डॉ. शर्मा को यह सम्मान मिला है। अध्यक्षता भारतीय बौद्ध संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष भंते संघप्रिय राहुल ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अर्जुन राम मेघवाल संसदीय कार्य व संस्कृति राज्य मंत्री, विशिष्ट अतिथि पूर्व सांसद डॉ. अनीता आर्य, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनोद सोनकर शास्त्री मौजूद थे।

डॉ शर्मा को सामाजिक समरसता के लिए डॉ.मुखर्जी सम्मान

सागर(आरएनएन)। हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के प्रौढ़ शिक्षा विभाग के शिक्षक डॉ.संजय शर्मा को भारतीय बौद्ध संघ द्वारा उनके दलित विषयक चिंतन और उनके सशक्तिकरण के लिए शिक्षा के माध्यम से किए जा रहे मौलिक अकादमिक एवं शोध कार्यों के लिए वर्ष 2022 के डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी सम्मान से सम्मानित किया गया।

भारतीय बौद्ध संघ के द्वारा सामाजिक सहभागिता से वंचित रहे समुदायों के कल्याण महिलाओं की भागीदारी और दलित वर्ग के सशक्तिकरण के लिए विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण कार्य करने वाले शिक्षकों, दलित चिंतकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, लेखकों, कर्मचारियों आदि को डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 121वें जन्मदिवस पर उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए दिल्ली स्थित एन डीएमसी सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह का आयोजन एवं अध्यक्षता भारतीय बौद्ध संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष भंते संघप्रिय राहुल ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अर्जुन राम मेघवाल संसदीय कार्य एव संस्कृति राज्य मंत्री भारत सरकार विशिष्ट अतिथि दिल्ली की पूर्व सांसद एवं पूर्व महापौर डॉ अनीता आर्य, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति एंव जनजाति आयोग भारत सरकार के पूर्व अध्यक्ष एंव सांसद डॉ.विनोद सोनकर शास्त्री सहित कई गणमान्य अतिथि मंच पर उपस्थित थे। उनके इस सम्मान पर समस्त विश्वविद्यालय परिवार ने उनको शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

शर्मा को सामाजिक समरसता के लिए डा. मुखर्जी सम्मान

सागर(नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के प्रौढ़ शिक्षा विभाग के शिक्षक डा. संजय शर्मा को भारतीय बौद्ध संघ द्वारा उनके दलित विषयक चिंतन और उनके सशक्तिकरण के लिए शिक्षा के माध्यम से किए जा रहे मौलिक अकादमिक एवं शोध कार्यो के लिए वर्ष 2022 के डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सम्मान से सम्मानित किया गया।

डा. संजय शर्मा को सामाजिक समरसता के लिए डा. मुखर्जी सम्मान दिया गया।

भारतीय बौद्ध संघ द्वारा सामाजिक सहभागिता से वंचित रहे समुदायों के कल्याण, महिलाओं की भागीदारी और दलित वर्ग के सशक्तिकरण के लिए विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण कार्य करने वाले शिक्षकों, दलित चिंतकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, लेखकों, कर्मचारियों आदि को डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 121वें जन्मदिवस पर उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए दिल्ली स्थित एन. डी. एम. सी. सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह का आयोजन एवं अध्यक्षता भारतीय बौद्ध संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष भंते संघप्रिय राहुल ने किया। उनके इस सम्मान पर समस्त विश्वविद्यालय परिवार ने उनको शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

आपके जीवन में कभी भी नहीं आना चाहिए। मैं

संजय को सामाजिक समरसता के लिए मिला डॉ.मुखर्जी सम्मान

सागर, देशबन्धु। डॉ.हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के प्रौढ़ शिक्षा विभाग के शिक्षक डॉ.संजय शर्मा को भारतीय बौद्ध संघ द्वारा उनके दलित विषयक चिंतन और उनके सशक्तिकरण के लिए शिक्षा के माध्यम से किए जा रहे मौलिक अकादमिक एवं शोध कार्यों के लिए वर्ष 2022 के डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी सम्मान से सम्मानित किया गया। भारतीय बौद्ध संघ के द्वारा सामाजिक सहभागिता से वंचित रहे समुदायों के कल्याण, महिलाओं की भागीदारी और दलित वर्ग के सशक्तिकरण के लिए विभिन्न क्षेत्रों में महत्त्वपूर्ण कार्य करने वाले शिक्षकों, दलित चिंतकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, लेखकों, कर्मचारियों आदि को डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 121वें जन्मदिवस पर उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए दिल्ली स्थित एनडीएमसी सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह का आयोजन एवं अध्यक्षता भारतीय बौद्ध संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष संघप्रिय राहुल ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अर्जुन राम मेघवाल, संसदीय कार्य एवं संस्कृति राज्यमंत्री भारत सरकार, विशिष्ट अतिथि पूर्व सांसद एवं पूर्व महापौर डॉ.अनीता आर्य, सांसद डॉ.विनोद सोनकर शास्त्री सहित कई गणमान्य अतिथि मंच पर उपस्थित थे। उनके इस सम्मान पर समस्त विश्वविद्यालय परिवार ने उनको शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के संगीत विभाग में बुधवार को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन हुआ। इसमें अगले 7 दिन सागर एवं बाहर से पधारे विद्वानों से संगीत के विद्यार्थियों को सीखने को मिलेगा।

बुधवार को उद्घाटन सत्र में सर्वप्रथम सरस्वती पूजन के साथ विभाग के विद्यार्थियों ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की, तत्पश्चात सत्र पूर्व प्रस्तुतियों में गायन की छात्रा कु. दीप्ति तिवारी ने राग अहीर भैरव प्रस्तुत किया। तबला विषय के छात्र तेजस पटेल ने ताल तीन ताल में एकल वादन प्रस्तुत किया। संगत में हारमोनियम पर यश गोपाल श्रीवास्तव ने और तबले पर आशुतोष श्रीवास्तव ने साथ दिया। प्रशिक्षण सत्र में ठाकुर राम सिंह तोमर ने विद्यार्थियों को संगीत शिक्षा और अभ्यास से जुड़ी हुई महत्वपूर्ण बातें बताई। आपने बताया कि संगीत सार्वभौम है किसी जाति धर्म और पंथ से ऊपर है। सत्र को आगे बढ़ाते हुए डॉ अवधेश प्रताप सिंह तोमर नें राग यमन की बंदिश के माध्यम से स्वर विस्तार करना सिखाया। आपनें स्वतंत्र गायन करने के सरल तरीके समझाए। सत्र की अध्यक्षता संगीत विभाग के अध्यक्ष डॉ ललित मोहन ने की और विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। सत्र का संचालन छात्रा अपूर्वा भदौरिया ने किया। विद्वानों के साथ तबले पर आकाश जैन ने संगत की। कार्यक्रम के आयोजन में विभाग के समस्त छात्रों एवं पूर्व छात्रों नें सहयोग किया। कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन डॉ राहुल स्वर्णकार ने किया। राजपूत शैलेंद्र राजपूत ने आयोजन समितियों का समन्वय किया। आज स्वर्गीय पंडित रामस्वरूप रतोनिया के शिष्य डॉ हरि ओम सोनी और पंडित विद्याधर मिश्र की शिष्य डॉ स्मृति त्रिपाठी प्रशिक्षण देंगे।

सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ

नवभारत न्यूज

सागर 13 जुलाई डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के संगीत विभाग में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन हुआ.

प्रशिक्षण सत्र में ठाकुर राम सिंह तोमर नें विद्यार्थियों को संगीत शिक्षा और अभ्यास से जुड़ी हुई महत्वपूर्ण बातें बताई. डॉ अवधेश प्रताप सिंह तोमर नें राग यमन की बंदिश के माध्यम से स्वर विस्तार करना सिखाया. स्वतंत्र गायन करने के सरल तरीके समझाए. सत्र की अध्यक्षता संगीत विभाग के अध्यक्ष डॉ ललित मोहन ने की और विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया. संचालन छात्रा अपूर्वा भदौरिया ने किया. विद्वानों के साथ तबले पर आकाश जैन ने

संगत की. कार्यक्रम में आभार डॉ राहुल स्वर्णकार ने माना.

गब्बर को सुशासन पर पीएचडी अवार्ड

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान एवं लोकप्रशासन विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. नेहा निरंजन के निर्देशन में गब्बर अहिरवार को सुशासन के प्रयास के अंतर्गत लोकसेवा गारंटी योजना का विश्लेषणात्मक अध्ययन जिले के विशेष संदर्भ में शीर्षक पर शोध कार्य किया जिसके लिए गब्बर अहिरवार को डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी की उपाधि प्रदान की गई. अहिरवार ने बताया कि सरकार की लोकसेवा प्रदाय गारंटी योजना 2010 लागू होने से आम नागरिकों को नागरिक सेवाओं का लाभ निश्चित समय सीमा में मिल रहा है.

सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ

नवभारत न्यूज

सागर 13 जुलाई डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के संगीत विभाग में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन हुआ.

प्रशिक्षण सत्र में ठाकुर राम सिंह तोमर नें विद्यार्थियों को संगीत शिक्षा और अभ्यास से जुड़ी हुई महत्वपूर्ण बातें बताई. डॉ अवधेश प्रताप सिंह तोमर नें राग यमन की बंदिश के माध्यम से स्वर विस्तार करना सिखाया. स्वतंत्र गायन करने के सरल तरीके समझाए. सत्र की अध्यक्षता संगीत विभाग के अध्यक्ष डॉ ललित मोहन ने की और विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया. संचालन छात्रा अपूर्वा भदौरिया ने किया. विद्वानों के साथ तबले पर आकाश जैन ने

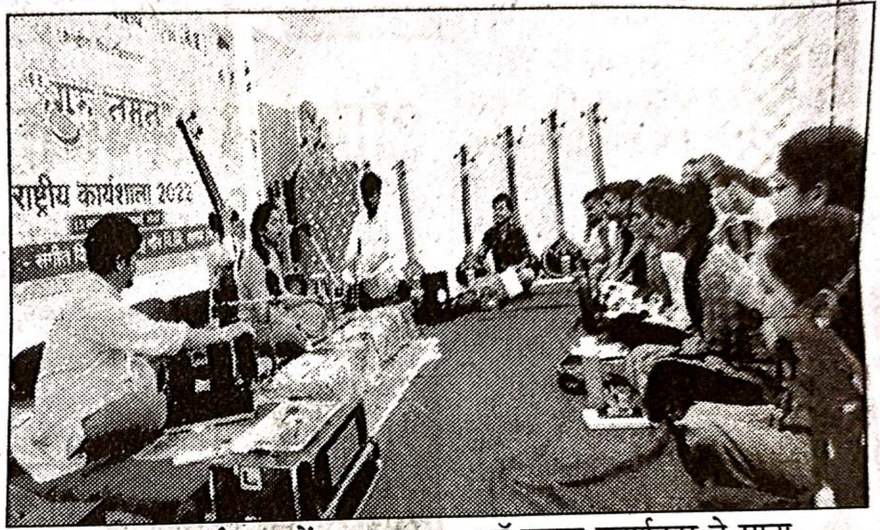

संगत की. कार्यक्रम में आभार डॉ राहुल स्वर्णकार ने माना.

गब्बर को सुशासन पर पीएचडी अवार्ड

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान एवं लोकप्रशासन विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. नेहा निरंजन के निर्देशन में गब्बर अहिरवार को सुशासन के प्रयास के अंतर्गत लोकसेवा गारंटी योजना का विश्लेषणात्मक अध्ययन जिले के विशेष संदर्भ में शीर्षक पर शोध कार्य किया जिसके लिए गब्बर अहिरवार को डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी की उपाधि प्रदान की गई. अहिरवार ने बताया कि सरकार की लोकसेवा प्रदाय गारंटी योजना 2010 लागू होने से आम नागरिकों को नागरिक सेवाओं का लाभ निश्चित समय सीमा में मिल रहा है.

दूसरे चरण में सबसे अधिक मतदान प्रतिशत 82.33 नगर पालिका परि... अलावा बीना नगर पालिका में 63.67 प्रतिशत, बण्डा नगर परिषद में 76.... प्रतिशत, राहतगढ़ नगर परिषद में 79.12 प्रतिशत, मालथौन नगर परिषद में 7... परिषद के पार्षदों के चुनाव में 77.33 प्रतिशत मतदान हुआ। सात नगरीय निका... मतदान के बाद 88 वार्ड पार्षदों का भविष्य ईवीएम में कैद हो गया। अब एक... उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला होगा। सात नगरीय निकाय के कुल 1,30,1... मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया।

विवि के संगीत विभाग में राष्ट्रीय कार्यशाला का हुआ उद्घाटन

सागर। डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के संगीत विभाग में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन हुआ। इसमें अगले 7 दिन सागर एवं बाहर से आये विद्वानों से संगीत के विद्यार्थियों को सीखने को मिलेगा। उद्घाटन सत्र में सर्वप्रथम सरस्वती पूजन के साथ विभाग के विद्यार्थियों ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की तत्पश्चात सत्र पूर्व स्तुतियों में गायन की छात्रा कुं दीप्ति तिवारी ने राग अहीर भैरव प्रस्तुत किया। तबला विषय के छात्र तेजस पटेल ने ताल तीन ताल में एकल वादन प्रस्तुत किया। संगत में हारमोनियम पर यश गोपाल श्रीवास्तव ने और तबले पर आशुतोष श्रीवास्तव ने साथ दिया। प्रशिक्षण सत्र में ठाकुर राम सिंह तोमर ने विद्यार्थियों को संगीत शिक्षा और अभ्यास से जुड़ी हुई महत्वपूर्ण बातें बताई। आपने बताया कि संगीत सार्वभौम है किसी जाति धर्म और पंथ से ऊपर है। सत्र को आगे बढ़ाते हुए डॉ अवधेश प्रताप सिंह तोमर नें राग यमन की बंदिश के माध्यम से स्वर विस्तार करना सिखाया। आपने स्वतंत्र गायन करने के सरल तरीके समझाए। सत्र की अध्यक्षता संगीत विभाग के अध्यक्ष डॉ ललित मोहन ने की और विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। सत्र का संचालन छात्रा अपूर्वा भदौरिया ने किया। विद्वानों के साथ तबले पर आकाश जैन ने संगत की। कार्यक्रम के आयोजन में विभाग के समस्त छात्रों एवं पूर्व छात्रों नें सहयोग किया। कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन डॉ राहुल स्वर्णकार ने किया। शैलेंद्र राजपूत ने आयोजन समितियों का समन्वय किया।

विवि के संगीत विभाग में राष्ट्रीय कार्यशाला का हुआ उद्घाटन

सागर। डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के संगीत विभाग में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन हुआ। इसमें अगले 7 दिन सागर एवं बाहर से आये विद्वानों से संगीत के विद्यार्थियों को सीखने को मिलेगा। उद्घाटन सत्र में सर्वप्रथम सरस्वती पूजन के साथ विभाग के विद्यार्थियों ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की तत्पश्चात सत्र पूर्व प्रस्तुतियों में गायन की छात्रा कुं दीप्ति तिवारी ने राग अहीर भैरव प्रस्तुत किया। तबला विषय के छात्र तेजस पटेल ने ताल तीन ताल में एकल वादन प्रस्तुत किया। संगत में हारमोनियम पर यश गोपाल श्रीवास्तव ने और तबले पर आशुतोष श्रीवास्तव ने साथ दिया। प्रशिक्षण सत्र में ठाकुर राम सिंह तोमर ने विद्यार्थियों को संगीत शिक्षा और अभ्यास से जुड़ी हुई महत्वपूर्ण बातें बताई। आपने बताया कि संगीत सार्वभौम है किसी जाति धर्म और पंथ से ऊपर है। सत्र को आगे बढ़ाते हुए डॉ अवधेश प्रताप सिंह तोमर नें राग यमन की बंदिश के माध्यम से स्वर विस्तार करना सिखाया। आपने स्वतंत्र गायन करने के सरल तरीके समझाए। सत्र की अध्यक्षता संगीत विभाग के अध्यक्ष डॉ ललित मोहन ने की और विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। सत्र का संचालन छात्रा अपूर्वा भदौरिया ने किया। विद्वानों के साथ तबले पर आकाश जैन ने संगत की। कार्यक्रम के आयोजन में विभाग के समस्त छात्रों एवं पूर्व छात्रों नें सहयोग किया। कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन डॉ राहुल स्वर्णकार ने किया। शैलेंद्र राजपूत ने आयोजन समितियों का समन्वय किया।

राग अहीर भैरव से हुआ सागर विश्वविद्यालय में संगीत की राष्ट्रीय कार्यशाला का आगाज

सागर | डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संगीत विभाग में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। इस दौरान सबसे पहले गायन की छात्रा दीप्ति तिवारी ने राग अहीर भैरव प्रस्तुत किया। तबला विषय के छात्र तेजस पटेल ने ताल तीन ताल में एकल वादन प्रस्तुत किया। संगत में हारमोनियम पर यश गोपाल श्रीवास्तव और तबले पर आशुतोष श्रीवास्तव ने साथ दिया। प्रशिक्षण सत्र में ठाकुर राम सिंह तोमर ने विद्यार्थियों को संगीत शिक्षा और अभ्यास से जुड़ी हुई महत्वपूर्ण बातें बताईं। उन्होंने बताया कि संगीत सार्वभौम्य है किसी जाति, धर्म और पंथ से ऊपर है। वहीं डॉ. अवधेश प्रताप सिंह तोमर ने राग यमन की बंदिश के माध्यम से स्वर विस्तार करना सिखाया और स्वतंत्र गायन करने के सरल तरीके भी समझाए। सत्र की अध्यक्षता संगीत विभाग के अध्यक्ष डॉ. ललित मोहन ने की। सत्र का संचालन छात्रा अपूर्वा भदौरिया ने किया। विद्वानों के साथ तबले पर आकाश जैन ने संगत की और आभार प्रदर्शन डॉ राहुल स्वर्णकार ने माना। गुरुवार को कार्यशाला में स्व. पंडित रामस्वरूप रतोनिया के शिष्य डॉ. हरिओम सोनी और पं. विद्याधर मिश्र की शिष्य डॉ. स्मृति त्रिपाठी प्रशिक्षण देंगे।

कार्यशाला में विद्यार्थी सीखेंगे संगीत शिक्षा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के संगीत विभाग में बुधवार को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन हुआ। कार्यक्र म की शुरूआत विद्यार्थियों ने सरस्वती वंदना के साथ की। छात्रा दीप्ति तिवारी ने राग अहीर भैरव प्रस्तुत किया। तबला विषय के छात्र तेजस पटेल ने ताल तीन ताल में एकल वादन प्रस्तुत किया। संगत में हारमोनियम पर यश गोपाल श्रीवास्तव ने और तबले पर आशुतोष श्रीवास्तव ने साथ दिया।

प्रशिक्षण सत्र में ठाकुर राम सिंह तोमर ने विद्यार्थियों को संगीत शिक्षा और अभ्यास से जुड़ी हुई महत्वपूर्ण बातें बताई। डॉ. अवधेश प्रताप सिंह तोमर ने राग यमन की बंदिश के माध्यम से स्वर विस्तार करना सिखाया। आभार डॉ. राहुल स्वर्णकार माना। शैलेंद्र राजपूत ने आयोजन समितियों का समन्वय किय।

तबले की थाप से गूंजा संगीत विभाग

सागर, देशबन्धु। संगीत विभाग डॉ.हरीसिंह गौर विवि में आयोजित की जा रहीं राष्ट्रीय कार्यशाला गुरू नमन द्वितीय दिवस गायन एवं तबले का अद्भुत संगम रहा। कार्यशाला के प्रथम सत्र का प्रारंभ सरस्वती पूजन एवं वन्दना के साथ हुआ। सत्र की अध्यक्षता संगीत विभागाध्यक्ष एवं अधिष्ठाता डॉ.ललित मोहन ने की। प्रारंभिक सत्र पूर्व प्रस्तुति में गगन राज ने तीन तालं में एकल तबला वादन राज प्रस्तुत किया। हारमोनियम पर उत्सव गोपाल ने सफ ल संगति की। अपूर्वा भदोरिया ने राग बागेश्री में विलंबित ख्याल एवं द्रुत ख्याल की प्रस्तुति दी, तबले पर गगन राज एवं हारमोनियम पर संगत पंकज खरारे ने की। कार्यशाला के मुख्य सत्र में विषय विशेषज्ञ डॉ.स्मृति त्रिपाठी ने राग मेघ मल्हार में आयो गर्जत बादरवा पारंपरिक बंदिश प्रतिभागियों को सिखाई राग देश में निबद्ध पं.बड़े रामदास द्वारा रचित चतुरंग प्रतिभागियों को सिखाया। तबले पर आशुतोष श्रीवास्तव एवं हारमोनियम पर संगत कौशल मेहरा ने की। सत्र के द्वितीय विषय विशेषज्ञ डॉ.हरिओम सोनी ने तबले के वर्णों की निकास विधि एवं तीनताल में निबद्ध पारंपारिक घराने दार बंदिशों का प्रशिक्षण प्रतिभागियों को दिया, गुरु मुख से स्वर एवं ताल के सौंदर्य की पहचान करने के क्रम को बताया। हारमोनियम पर संगत यशगोपाल श्रीवास्तव ने की। कार्यशाला में उपस्थित अतिथियों, विद्वानों का आभार व्यक्त कार्यशाला के संयोजक डॉ.अवधेश प्रताप सिंह तोमर ने किया, आकाश जैन एवं कार्यश्शाला के प्रतिभागियों के समन्वय में कार्यशाला का द्वितीय दिवस संपन्न हुआ। आज दिल्ली से पधारे राष्ट्रीय संगीत परिवार के महानिदेशक पं.देवेन्द्र वर्मा कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में रहेंगे। कार्यक्रम का संचालन शुभान्शिता ठाकुर ने किया

गुरु नमन कार्यशाला के दूसरे दिन तबले की थाप से गूंजा संगीत विभाग

सागर (आरएनएन)। संगीत विभाग, डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालम में आयोजित की जा रही राष्ट्रीय कार्यशाला गुरू नमन के द्वितीय दिवस गायन एवं तबले का अद्भुत संगम रहा। कार्यशाला के प्रथम सत्र का प्रारंभ सरस्वती पूजन एवं वन्दना के साथ हुआ। सत्र की अध्यक्षता संगीत विभागाध्यक्ष एवं अधिष्ठाता आईएस डॉ ललित मोहन ने की। प्रारंभिक सत्र पूर्व प्रस्तुति में गगन राज ने तीनताल में एकल तबला वादन राज प्रस्तुत किया। हारमोनियम पर उत्सव गोपाल ने सफल संगति की। अपूर्वा भदोरिया ने राग बागेश्री में विलंबित ख्याल एवं द्रुत ख्याल की प्रस्तुति दी, तबले पर गगन राज एवं हारमोनियम पर संगत पंकज खरारे ने की। कार्यशाला के मुख्य सत्र में विषय विशेषज्ञ डॉ स्मृति त्रिपाठी ने राग मेघ मल्हार में आयो गर्जत बादरवा पारंपरिक बंदिश प्रतिभागियों को सिखाई। राग देश में निबद्ध पं बड़े रामदास द्वारा रचित चतुरंग प्रतिभागियों को सिखाया। तबले पर आशुतोष श्रीवास्तव एवं हारमोनियम पर संगत कौशल मेहरा ने की। सत्र के द्वितीय विषय विशेषज्ञ डॉ हरिओम सोनी ने तबले के वर्णों की निकास विधि एवं तीनताल में निबद्ध पारंपारिक घरानेदार बंदिशों का प्रशिक्षण प्रतिभागियों को दिया। गुरु मुख से स्वर एवं ताल के सौंदर्य की पहचान करने के क्रम को बताया। हारमोनियम पर संगत यशगोपाल श्रीवास्तव ने की। कार्यशाला में उपस्थित अतिथियों, [illegible] का आभार व्यक्त का[illegible] के संयोजक डॉ अवधेश प्रताप सिंह तोमर ने किया। आकाश जैन एवं कार्यशाला के प्रतिभागियों के समन्वय में कार्यशाला का द्वितीय दिवस संपन्न हुआ।

गुरु नमन कार्यशाला द्वितीय दिवस तबले की थाप से गूंजा संगीत विभाग

सागर, आचरण संवाददाता।

संगीत विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में आयोजित की जा रही राष्ट्रीय कार्यशाला गुरू नमन द्वितीय दिवस गायन एवं तबले का अद्भुत संगम रहा। कार्यशाला के प्रथम सत्र का प्रारंभ सरस्वती पूजन एवं वन्दना के साथ हुआ। सत्र की अध्यक्षता संगीत विभागाध्यक्ष एवं अधिष्ठाता एआईएस डॉ. ललित मोहन ने की। प्रारंभिक सत्र पूर्व प्रस्तुति में गगन राज ने तीनताल में एकल तबला वादन राज प्रस्तुत किया। हारमोनियम पर उत्सव गोपाल ने सफल संगति की। अपूर्वा भदोरिया ने राग बागेश्री में विलंबित ख्याल एवं द्रुत ख्याल की प्रस्तुति दी, तबले पर गगन राज एवं हारमोनियम पर संगत पंकज खरारे ने की। कार्यशाला के मुख्य सत्र में विषय विशेषज्ञ डॉ स्मृति त्रिपाठी ने राग मेघ मल्हार में आयो गर्जत बादरवा पारंपरिक बंदिश प्रतिभागियों को सिखाई। राग देश में निबद्ध पं. बड़े रामदास जी द्वारा रचित चतुरंग प्रतिभागियों को सिखाया। तबले पर आशुतोष श्रीवास्तव एवं हारमोनियम पर संगत कौशल मेहरा ने की । सत्र के द्वितीय विषय विशेषज्ञ डा. हरिओम सोनी ने तबले के वर्णों की निकास विधि एवं तीनताल में निबद्ध पारंपारिक घरानेदार बंदिशों का प्रशिक्षण प्रतिभागियों को दिया, गुरु मुख से स्वर एवं ताल के सौंदर्य की पहचान करने के क्रम को बताया। हारमोनियम पर संगत यशगोपाल श्रीवास्तव ने की। कार्यशाला में उपस्थित अतिथियों, विद्वानों का आभार व्यक्त कार्यशाला के संयोजक डा. अवधेश प्रताप सिंह तोमर ने किया। आकाश जैन एवं कार्यशाला के प्रतिभागियों के समन्वय में कार्यशाला का द्वितीय दिवस संपन्न हुआ। गुरूवार को दिल्ली से पधारे राष्ट्रीय संगीत परिवार के महानिदेशक पं. देवेन्द्र वर्मा कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में रहेंगे। कार्यक्रम का संचालन शुभान्षिता ठाकुर ने किया।

एमओयू • मानव विज्ञान विभाग के 66वें स्थापना दिवस पर विश्वविद्यालय का रूस से अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक समझौता

रूस और सागर विवि के विद्यार्थी सांस्कृतिक व जैव विविधता पर करेंगे रिसर्च, दक्षिण एशिया के क्षेत्र का भी करेंगे अध्ययन

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग और रूस के मास्को स्थित पैलियाइथोनोलॉजी रिसर्च सेंटर के बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शैक्षणिक एवं शोध कार्यों के लिए समझौता हुआ। विभाग के 66वें स्थापना दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रमों के दूसरे दिन शनिवार को दोनों संस्थानों के बीच एमओयू साइन किया गया। इस दौरान विश्वविद्यालय की कार्यवाहक कुलपति प्रो. जेडी आही, अधिष्ठाता प्रो. केकेएन शर्मा, विभागाध्यक्ष प्रो.

सागर | मानव विज्ञान विभाग के 66वें स्थापना दिवस पर विश्वविद्यालय का रूस से अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक समझौता, साइन हुआ एमओयू

राजेश कुमार गौतम, प्रो. एच थामस निदेशक रिसर्च एण्ड डेवलमेंट, कुलसचिव संतोष सहगौरा, संयोजक डॉ. सर्वेंद्र यादव एवं मास्को से डॉ. याकूसेव मिखाइल डायरेक्टर पीआरसी, उपनिदेशक डॉ. डेनिश पेजेम्स्की, मिस लीलिया ने एमओयू पर हस्ताक्षर कर आपसी सहमति दी।

डॉ. यादव ने बताया कि इस समझौते से मानव विज्ञान, पुरातत्व, जैविक (भौतिक) और मानव अनुवांशिकी के आंकड़ों के आधार पर यूरेशिया भारत और रूस की प्राचीन और आधुनिक आबादी के नृवंश विज्ञान संबंधी मुद्दों के जटिल अध्ययन के क्षेत्र में सहयोगी परियोजनाओं और कार्यक्रमों के संचालन में मदद मिलेगी। साथ ही शैक्षिक, सार्वजनिक प्रतिष्ठानों के बीच आदान-प्रदान और शोध कार्यों में अनुभव साझा करने से विश्व मानव समुदाय लाभान्वित होगा। विद्यार्थी व आमजन शैक्षणिक गतिविधियों और संयुक्त संगोष्ठियों, सम्मेलनों, कार्यशालाओं में वैज्ञानिक पक्ष को जान सकेंगे। डॉ. पेजेम्स्की ने बताया कि यह अभियान वर्ष 2018 में शुरू हुआ था। इसके तीनों चरण पूरे कर लिए गए हैं। इसे विस्तार देते हुए प्रमुख उद्देश्य दक्षिण एशिया के विशाल क्षेत्र में एक साथ वृहद क्षेत्र का अध्ययन करना है। जिसमें सांस्कृतिक एवं जैविक विविधता को शामिल किया गया है। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि रूस के वैज्ञानिक एवं अनुसंधानकर्ता सक्रिय, संवेदनशील तथा समर्पित हैं। विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश कुमार गौतम ने कहा कि महाराष्ट्र एवं मध्यप्रदेश में निवासरत कोरकू जनजाति के सामाजिक, शारीरिक, सांस्कृतिक, इथोनोग्राफिक जैसे विविध आयामों का अनुसंधान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किया जाना वृहद कार्ययोजना है। इससे प्राप्त होने वाले परिणाम से नई दिशा प्राप्त होगी। कार्यक्रम को केकेएन शर्मा, डॉ. अरिबम विजया सुन्दरी देवी, कुलसचिव संतोष सहगौरा ने भी संबोधित किया।

सागर विश्वविद्यालय तथा रूस के पैलियाइथोनोलॉजी रिसर्च सेंटर के बीच हुआ अंतरराष्ट्रीय समझौता

डॉ. हरीसिंह गौर विवि सागर के मानव विज्ञान विभाग का रूस से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समझौता

जागरण न्यूज, सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के मानव विज्ञान विभाग के 66 वें स्थापना दिवस के पर शनिवार को विश्वविद्यालय तथा रूस के मास्को स्थित पैलियाइथोनोलॉजी रिसर्च सेंटर के बीच अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शैक्षणिक एवं शोध कार्यों के लिए समझौता हुआ। एमओयू के दौरान विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने ऑनलाइन जुड़कर तथा प्रशासनिक भवन में कार्यावाहक कुलपति प्रो. जेडी. आही, अधिष्ठता प्रो. केकेएन शर्मा विभागाध्यक्षा प्रो. राजेश कुमार गौतम, प्रो. एच थामस निदेशक रिसर्च एण्ड डेवलमेंन्ट, कुलसचिव संतोष सहगौरा एवं संजायेक डॉ. सर्वेन्द्र यादव एवं मास्कों से डॉ. याकूसेव मिखाइल डॉक्रेटर पीआरसी, उपनिदेशक डॉ. डेनिश पेजेम्स्की, मिस लीलिया, ने एमओयू पर हस्ताक्षर कर आपसी सहमति प्रदान की। संयोजक डॉ. सर्वेन्द्र यादव ने इस अंर्तराष्ट्रीय समझौता अभियान के उद्देश्यों को बताते हुये मानव विज्ञान, पुरातत्व, जैविक (भौतिक) नृविज्ञान और मानव अनुवांशिकी के आँकड़ो के आधार पर यूरेशिया भारत और रूस की प्राचीन और आधुनिक आबदी के नृवंश विज्ञान संबंधी मुद्धो के जटिल अध्ययन के क्षेत्र में सहयोगी परियोनाओं और कार्यक्रमों के संचालन में मदद कर सकेगा। साथ ही विद्यार्थी व आमजन शैक्षणिक गतिविधियों और संयुक्त संगोष्ठीयों, सम्मेलनों, कार्याशालाओं में वैज्ञानिक पक्ष को जान सकेंगे।

अभियान वर्ष 2018 में आरंभ हुआ था

डॉ. डेनिस पेजेम्स्की डॉरेक्टर मास्कों ने बताया कि यह अभियान वर्ष 2018 में आरंभ हुआ था जिसके तीनों चरण पूरे कर लियें गये है इसे विस्तार देते हुए प्रमुख उद्देश्य दक्षिण एशिया के लोगों को विशाल क्षेत्र में एक साथ बृहद क्षेत्र के रूप में अध्ययन करना है। प्रो. नीलिमा गुप्ता कुलपति ने कहा कि सागर विश्वविद्यालय के लिए यह गौरव की बात है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर दूसरे देशों के साथ शैक्षणिक शोध कार्यों के लिए सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि रूस के वैज्ञानिक एवं अनुसंधानकर्ता सक्रिय, संवेदनशील तथा समर्पित हैं। प्रो. जेडी आही ने कहा कि दोनों देशों के संस्थान मिलकर प्रस्तावित अभियान पर शोध कार्यो से मिलने वाले परिणामों में छात्र एवं पूरी मानव जाति लाभन्वित होगी। प्रो. राजेश कुमार गौतम विभागाध्यक्ष कहा कि इस एमओयू के पूर्व दो संस्थानों के बीच प्रस्तावित कार्ययोजना तैयार करने के लिए अथक प्रयास किया गया है। उन्होंने ने बताया कि महाराष्ट्र एवं मध्यप्रदेश में निवासरत कोरकू जनजाति के सामाजिक, शारीरिक, सांस्कृतिक, इथोनोग्राफिक, जैसे विविध आयामों का अनुसंधान अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किया जाना वृह्त कार्ययोजना है। प्रो. केकेएन शर्मा डीन ने भी विभाग की गतिविधियों की जानकारी दी। संचालन डॉ. अरिबम विजया सुन्दरी देवी ने किया तथा विश्वविद्यालय की ओर से कुल सचिव संतोष सहगौरा ने धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में डॉ. सोनिया कौशल, डॉ. राकेश सैनी, डॉ. राजेश यादव, शोधार्थी कौशतुव देव शर्मा, अशोक यादव, दीपाजलि दास, मधुश्री डे, धनसय, बंसत सेन, ज्योति ग्रेवाल, सुमन साहू, सहित ऑनलाइन जुड़े लगभग सौ से ऊपर शिक्षक शोधार्थी उपस्थित थे।

विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग ने रूस से किया समझौता

अब भारत और रूस मिलकी करेंगे प्राचीन और आधुनिक आबादी के वंश विज्ञान पर अध्ययन

पत्रिका न्यूज पंच

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग ने रूस के मास्को स्थित पैलियाइथोनोलॉजी रिसर्च सेंटर के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शैक्षणिक एवं शोध कार्यों के लिए शनिवार को एमओयू साइन किया है। कार्यावाहक कुलपति प्रो. जेडी आही, मानव विज्ञान विभाग के अधिष्ठता प्रो. केके एन शर्मा ,विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश कमार गौतम सहित अन्य ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

डॉ. सर्वेन्द्र यादव ने बताया कि यह समझौता मानव विज्ञान, पुरातत्व, जैविक विज्ञान और मानव अनुवांशिकी के आंकड़ों के आधार पर एशिया भारत और रूस की प्राचीन और आधुनिक आबादी के वंश विज्ञान संबंधी मुद्दों के जटिल अध्ययन के लिए काफी सहयोगी साबित होगा। साथ ही शैक्षिक सार्वजनिक प्रतिष्ठानों के बीच बातचीत के कुशल तरीकों के लिए आदान-प्रदान और शोध कार्यों में अनुभव सांझा करने से विश्व मानव समुदाय लाभान्वित होंगे। कुलपति प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता मौजूद नहीं थी, उन्होंने ऑनलाइन जुड़कर इसमें भाग लिया।

2018 में हुई थी प्रक्रिया शुरू

डॉ. डेनिस पेजेम्स्की डॉरेक्टर मास्को ने बताया कि यह अभियान वर्ष 2018 में आरंभ हुआ था, जिसके तीनों चरण पूरे कर लिए गए हैं। दक्षिण एशिया के लोगों को विशाल क्षेत्र में एक साथ वृहद क्षेत्र के रूप में अध्ययन करना है, जिसमें सांस्कतिक, जैविक विविधता को शामिल किया गया है।

गौरव की बात

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि सागर विश्वविद्यालय के लिए यह गौरव की बात है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर दूसरे देशों के साथ शैक्षणिक शोध कार्यों के लिए सराहनीय पहल है। उन्होंने रूस के अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए बताया कि रूस के वैज्ञानिक एवं अनुसंधानकर्ता सक्रिय, संवेदनशील तथा समर्पित है।

यह होगा फायदा

इस एमओयू से विश्वविद्यालय के मानवविज्ञान विभाग के छात्र रिसर्च के लिए रूस भेजे जाएंगे। वहां से भी छात्र विश्वविद्यालय में शोध कार्य करने के लिए आएंगे। मानव विज्ञान को बढ़ावा देने और उससे जुड़े रिसर्च पर विश्वविद्यालय के शोध छात्रों की भी अहम भूमिका होगी। छात्रों को विदेशों में रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे।

डॉ. हरीसिंह गौर विवि के मानव विज्ञान विभाग का रूस से अतंर्राष्ट्रीय स्तर पर हुआ समझौता

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विवि के मानव विज्ञान विभाग के 66 स्थापना दिवस के अवसर पर विवि तथा रूस के मास्को स्थित पैलियाइथोनोलॉजी रिसर्च सेंटर के मध्य अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शैक्षणिक एवं शोध कार्यो के लिए समझौता किया गया। एमओयू के दौरान कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने ऑनलाइन जुड़कर तथा प्रशासनिक भवन में कार्यावाहक कुलपति प्रो.जेडी आही अधिष्ठता प्रो.केकेएन शर्मा विभागाध्यक्षा प्रो.राजेश कुमार गौतम, प्रो.एच थामस निदेशक रिसर्च एण्ड डेवलमेंन्ट, कुलसचिव संतोष सहगौरा एवं संजायेक डॉ.सर्वेन्द्र यादव एवं मास्कों से डॉ.याकूसेव मिखाइल डॉक्रेटर पीआर सी, उपनिदेशक डॉ.डेनिश पेजेम्स्की; मिस लीलिया, ने एमओयू पर हस्ताक्षर कर आपसी सहमति प्रदान की। संयोजक डॉ. सर्वेन्द्र यादव ने इस अंर्तराष्ट्रीय समझौता अभियान के प्रमुख उद्धेश्यों को बताते हुये मानव विज्ञान, पुरातत्व, जैविक भौतिक नृविज्ञान और मानव अनुवांशिकी के आंकड़ो के आधार पर यूरेशिया भारत और रूस की प्राचीन और आधुनिक आबदी के नृवंश विज्ञान संबंधी मुद्धो के जटिल अध्ययन के क्षेत्र में सहयोगी परियोजनाओं और कार्यक्रमों के संचालन में मदद कर सकेगा। साथ ही शैक्षिक सार्वजनिक प्रतिष्ठानों के बीच बातचीत के कुशल तरीकों के लिए आदान प्रदान और शोध कार्यों में अनुभव सांझा करने से विश्व मानव समुदाय लाभान्वित होगें। प्रो. नीलिमा गुप्ता कुलपति ने संबोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के लिए यह गौरव की बात है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर दूसरे देशों के साथ शैक्षणिक शोध कार्यों के लिए सराहनीय पहल है। रूस के अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुये बताया कि रूस के वैज्ञानिक एवं अनुसंधानकर्ता सक्रिय, संवेदनशील तथा समर्पित है। जिनका में हृदय से सम्मान करता हूँ। विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव संतोष सहगौरा ने धन्यवाद व्यक्त करते हुये कहा कि दोनो संस्थानों में अपने शैक्षणिक एवं शोध कार्यो की गतिविधियों का अनुबंध किया है यह बहुत अच्छी पहल है इससे दोनों देशों के सांस्कृतिक संबंध को बेहतर बनाने में एक अच्छी पहल सिद्ध होगी तथा दोनों देशों के छात्र भी लाभन्वित होगें उन्होंने दोनों देशों के शोधकर्ताओं का भी धन्यवाद व्यक्त किया।

रूस के रिसर्च सेंटर में शोध करेंगे विवि के छात्र, मानव विज्ञान विभाग कर रहा अनुबंध

सागर (नवदुनिया न्यूज)। डा हरीसिंह गौर विवि का मानव विज्ञान विभाग रूस के मास्को स्थित पैलियोइथनोलोजी रिसर्च सेंटर से अनुबंध कर रहा है। अनुबंध होने के बाद विभाग के छात्र अनुबंधित सेंटर तक जाकर विभाग से जुड़े शोध कर सकेंगे। साथ ही विभाग के छात्र व शिक्षक अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका का आनलाइन प्रकाशन करेंगे।

विवि के मानव विज्ञान विभाग के 66वें स्थापना दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विभागाध्यक्ष डा. राजेश गौतम ने बताया कि स्थापना दिवस पर तीन विषिष्ट कार्य शुरू होने जा रहे हैं। इनमें मास्को स्थित शोध संस्थान के साथ संयुक्त अध्ययन, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शोध पत्रिकाओं का प्रकाशन व वर्चुअल व्याख्यान शामिल रहेंगे। उन्होंने विभाग के द्वारा उत्रोत्तर शैक्षणिक, शोध कार्यो की विस्तृत जानकारी दी। मुख्य अतिथि प्रो चंदा बैन कुलानुषासक विवि ने कहा कि विभाग ने अपने षैक्षणिक कार्यो के अतिरिक्त, गुणवत्ता युक्त शोध, राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रकाषन करके विभाग एवं विष्वविद्यालय का नाम ऊंचाईयों पर पहुंचाया है। मानव विज्ञान एक बहुआयमी, उपयोगी एवं विषय है जो मनुष्य के बारे में समझने का अवसर प्रदान करती है। प्रो केकेएन शर्मा अधिष्ठाता व्यवहारिक विज्ञान ने भी अपनी बात रखी। द्वितीय सत्र में अतिथियों, षिक्षक व अन्य के द्वारा पौधारोपण किया गया। स्वच्छता अभियान के तहत श्रम दान किया गया। विद्यार्थियों ने स्वच्छता अभियान पर नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी। अंतिम चरण में सामूहिक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें षिक्षक, षोद्यार्थियों की चार टीमें बनाई गईं। ईबी टायलर नामक टीम से डा सर्वेन्द्र यादव विजेता घोषित किए गए।

स्थापना दिवस पर परिसर में पौधारोपण किया गया। ● नवदुनिया

पारंपरिक बंदिशें सिखाई गईं

नवभारत न्यूज

सागर 16 जुलाई. संगीत विभाग डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में आयोजित की जा रहीं राष्ट्रीय कार्यशाला गुरू नमन गायन एवं तबले का संगम रहा.

सत्र की अध्यक्षता संगीत विभागाध्यक्ष एवं अधिष्ठाता डा. ललित मोहन ने की. प्रारंभिक सत्र पूर्व प्रस्तुति में गगन राज ने तीनताल में एकल तबला वादन राज प्रस्तुत किया। हारमोनियम पर उत्सव गोपाल ने सफल संगति की । अपूर्वा भदोरिया ने राग बागेश्री में विलंबित ख्याल एवं द्रुत ख्याल की प्रस्तुति दी.

तबले पर गगन राज एवं हारमोनियम पर संगत पंकज खरारे ने की. कार्यशाला के मुख्य सत्र में विषय विशेषज्ञ डॉ स्मृति त्रिपाठी ने राग मेघ मल्हार में आयो गर्जत बादरवा पारंपरिक बंदिश प्रतिभागियों को सिखाई व राग देश में निबद्ध पं. बड़े रामदास जी द्वारा रचित चतुरंग प्रतिभागियों को सिखाया। तबले पर आशुतोष श्रीवास्तव एवं हारमोनियम पर संगत कौशल मेहरा ने की.

पंडित वर्मा ने संगीत विभाग के विद्यार्थियों को सिखाई नवीन बंदिशें

सागर (नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संगीत विभाग में आयोजित गुरु नमन कार्यशाला के तीसरे दिन दिल्ली से आए पं. देवेंद्र वर्मा ने विद्यार्थियों को रागों में निहित नवीन बंदिशें की जानकारी दी। कार्यशाला की अध्यक्षता डा. ललित मोहन ने की।

कार्यशाला कि मुख्य सत्र में विषय विशेषज्ञ के रूप में राष्ट्रीय संगीतज्ञ परिवार के महानिदेशक पं. देवेंद्र वर्मा का सम्मान डा. राहुल स्वर्णकार एवं आकाश जैन ने किया। विशेषज्ञ देवेंद्र वर्मा ने रागों में निहित सौंदर्य, लयत्व एवं रागत्व पर प्रकाश डाला। इसके बाद भीम पलासी पर आधारित स्वरचित बंदिश धवंशी बजावो बनवारी एवं लचक लचक चलत चाल मोहिनीध यह आकर्षक बंदिश का प्रशिक्षण विद्यार्थियों को दिया। कार्यशाला में प्रेम चतुर्वेदी, डा. विभूति मलिक सहित अनेक विद्वान उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समन्वय शैलेन्द्र सिंह राजपूत, आकाश जैन एवं यशगोपाल श्रीवास्तव ने किया। कार्यशाला के संयोजक डा. अवधेश प्रताप तोमर के नेतृत्व में किंया व संचालन क्षितिज जैन ने किया।

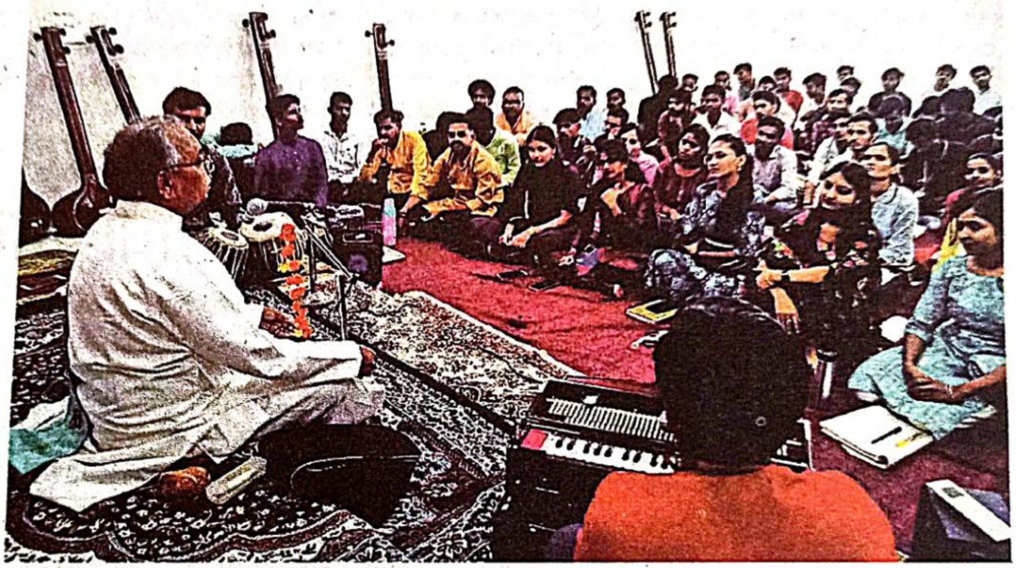

डा. हरीसिंह गौर विवि के संगीत विभाग में विद्यार्थियों को संगीत की जानकारी देते हुए विशेषज्ञ। ● नवदुनिया

विद्यार्थियों ने दी प्रस्तुति: कार्यशाला के दौरान गौरांगी, पल्लवी, उमा, वंशिका, आशी, साक्षी ने मां सरस्वती की वंदना सस्वर की तबले पर तेजस पटैल एवं हारमोनियम पर संगत अंशुल आठिया ने की। कार्यशाला के सत्र पूर्व प्रस्तुति में आशुतोष श्रीवास्तव ने ताल जय ताल में प्रस्तुति दी।

हारमोनियम पर संगत यशगोपाल श्रीवास्तव ने की। द्वितीय क्रम में निखिल सोनी ने राग तोड़ी की प्रस्तुति दी तबले पर संगत शैलेन्द्र सिंह राजपूत ने की। कार्यशाला के अंत में कार्यशाला के संयोजक डा. राहुल स्वर्णकार ने सभी का आभार व्यक्त किया। आज विषय विशेषज्ञ के रूप में डा. विभूति मलिक एवं प्रेम कुमार रहेंगे।

'बहुआयामी विषय है मानवविज्ञान'

सागर. डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के मानवविज्ञान विभाग के 66 वें स्थापना दिवस पर आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम में प्रथम दिवस के मुख्य अतिथि प्रॉक्टर प्रो. चन्दा बैन ने कहा कि विभाग ने शैक्षणिक कार्यों के अतिरिक्त, गुणवत्ता युक्त शोध, राष्ट्रीय, व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशन करके विभाग एवं विश्वविद्यालय का नाम ऊँचाईयों पर पहुंचाया है।

उन्होंने कहा कि मानव विज्ञान एक बहुआयमी, उपयोगी एवं विषय है जो मनुष्य के बारे में समझने का अवसर प्रदान करती है। विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश कुमार गौतम, अधिष्ठाता व्यवहारिक विज्ञान अध्ययन शाला प्रो. के के एन शर्मा ने भी अपने-अपने विचार रखे। विद्यार्थियों के द्वारा परिसर में पौधरोपण, स्वच्छता अभियान के तहत सामूहिक साफ सफाई की।

स्थापना दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

सागर. डॉ. हरीसिंह गौर विष्वविद्यालय सागर के मानवविज्ञान विभाग के 66वें स्थापना दिवस पर आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. चन्दा बैन ने कहा कि मानव विज्ञान एक बहुआयमी, उपयोगी एवं विषय है जो मनुष्य के बारे में समझने का अवसर प्रदान करती है. यह विषय शारीरिक पक्ष के साथ-साथ सामाजिक, सांस्कृतिक क्षेत्र में भी अध्ययन करने का अवसर देती है. प्रो. राजे. कुमीार गौतम विभागाध्यक्ष मानव विज्ञान विभाग ने 66 स्थापना दिवस पर विभाग की शैक्षणिक उपलब्धियाँ, इस विषय से जुड़े हुये रोजगार क्रे क्षेत्र में ऊँचाईयों पर पहुँचे हुये विद्यार्थीयों के नाम बताए. प्रो. केकेएन शर्मा अधिष्ठाता व्यवहारिक विज्ञान अध्ययन शाला ने विभाग के पूर्ववर्ती प्रोफेसरों द्वारा किये गये कार्यो की सराहना करते हुये विचार रखे. विभागीय परिसर में पौधारोपण, स्वच्छता अभियान के तहत सामूहिक साफ सफाई करके श्रम दान किया. स्वागत उद्बोधन डॉ. सोनिया कौशल, संचालन रोहित राय, आभार डॉ. अरिबम विजया सुन्दरी देवी, सर्वेन्द्र यादवा ने माना.

समुन्दर से ज्यादा गहराई यदि कहीं और है तो वो बस सुरों के भीतरः सोहगौरा

सागर, आचरण संवाददाता।

संगीत विभाग, डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला गुरु नमन अंतिम दिवस रहा। समापन सत्र के कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो पीके कठ्ल ने की जिन्ह प्रभारी कुलपति ने अपना प्रतिनिधि के रूप में भेज। कार्यशाला के विशिष्ट अतिथि के रूप में कुलसचिव संतोष सोहगौरा जी रहे। आपने संगीत विभाग के लिए यथासंभव मदद पहुंचाने का आश्वासन भी दिया और साथ ही नवीन भवन में इस प्रथम भव्य आयोजन की भूरी भूरी प्रशंसा की और सभी विद्यार्थियों को और मेहनत करने का संदेश दिया आभार प्रदर्शन डॉ. ललित मोहन संगीत विभागाध्यक्ष एवं डीन.एआईएस ने किया। विभाग से सभी सदस्यों को आपने इस सप्त दिवसीय कार्यशाला जिसे निशुल्क आयोजित किया गया के सफल आयोजन की बधाई दी। विश्वविद्यालय ने त्वरित अनुमोदन कर इसे साकार किया । सफल समापन डॉ. अवधेश प्रताप सिंह तोमर के कुशल समन्वय में हुआ। मुख्य सत्र में विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. राहुल स्वर्णकार जी रहे जिन्होंने कार्यक्रम के संयोजन के साथ साथ सत्र में उठान, पेशकार, उपज, कायदा आदि को सविस्तार समझाया।

तबले की पुरानी वादन शैली का वर्तमान में क्या अस्तित्व है इस पर भी डॉ स्वर्णकार ने विस्तार से वर्णित किया। आंमत्रित विषय विशेषज्ञ के रूप में आदर्श संगीत महाविद्यालय की प्राचार्या श्रीमति रागिनी श्रीवास्तव रही। आपने कत्थक नृत्य का सविस्तार परिचय दिया। नाट्यकला एवं संगीत कला का आविर्भाव पृथ्वी पर कैसे हुआ इस तथ्य को डॉ. अपर्णा चाचोंदिया जी द्वारा बताया गया। जो कि शासकीय कन्या महाविद्यालय सागर में पदस्थ हैं। कार्यशाला का यह सत्र प्रस्तुति सह्वयख्यान पर आधारित रहा। कत्थक नृत्य की परिभाषिक शब्दावली उठान, आमद, थाट, सलामी,तोड़ा आदि को आरोही श्रीवास्तव के द्वारा प्रस्तुत किया गया। हारमोनियम पर शोध छत्र यशगोपाल श्रीवास्तव एवं तबले पर शैलेन्द्र सिंह राजपूत द्वारा सफल संगत की गई। समापन सत्र के अवसर पर सभी अतिथियों ने माँ सरस्वती पूजन कर सत्र का प्रारम्भ किया। कौशल मेहरा एवं निखिल सोनी के द्वारा गुरु वंदना प्रस्तुत की गई, तबले पर संगत गगन राज ने की।

सप्त दिवस के अभ्यास सत्र में शोध छत्र आकाश जैन ने संगीत शास्त्र पर प्रकाश डाला। विभागीय प्रबंधन में अरुण रैकवार एव सुरेंद्र गर्ग ने सहयोग दिया।

विवि में गुरु नमन कार्यशाला का समापन

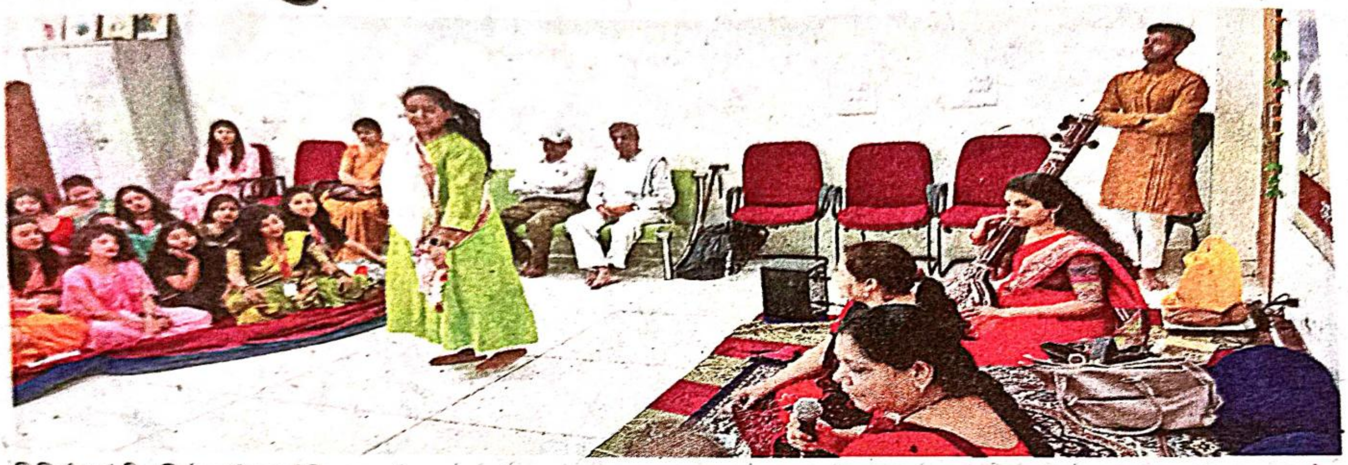

विवि के संगीत विभाग में आयोजित कार्यशाला का मंगलवार का समापन हुआ। ● **नवदुनिया**

सागर (नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संगीत विभाग में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला गुरु नमन का मंगलवार को समापन हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. पीके कठल ने की। कार्यशाला के विशिष्ट अतिथि के रूप में कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने संगीत विभाग के लिए यथासंभव मदद पहुंचाने का आश्वासन भी दिया। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को और मेहनत करने का संदेश दिया। आभार प्रदर्शन डा. ललित मोहन संगीत विभागाध्यक्ष एवं डीनएआईएस ने किया। सफल समापन डा. अवधेश प्रताप सिंह तोमर के कुशल समन्वय में हुआ।

मुख्य सत्र में विषय विशेषज्ञ के रूप में डा. राहुल स्वर्णकार रहे, जिन्होंने कार्यक्रम के संयोजन के साथ साथ सत्र में उठान ,पेशकार,उपज , कायदा आदि को सविस्तार समझाया।

आंमत्रित विषय विशेषज्ञ के रूप में आदर्श संगीत महाविद्यालय की प्राचार्या रागिनी श्रीवास्तव ने कत्थक नृत्य का सविस्तार परिचय दिया। डा. अपर्णा चाचोंदिया द्वारा नाट्यकला एवं संगीत कला का आविर्भाव पृथ्वी पर कैसे हुआ इस तथ्य को बताया गया।

कार्यशाला का यह सत्र प्रस्तुति सह्वयख्यान पर आधारित रहा। कत्थक नृत्य की परिभाषिक शब्दावली उठान, आमद , थाट, सलामी,तोड़ा आदि को आरोही श्रीवास्तव ने प्रस्तुत किया। हारमोनियम पर शोध छात्र यशगोपाल श्रीवास्तव एवं तबले पर शैलेन्द्र सिंह राजपूत द्वारा सफल संगत की गई।

आयोजन • केंद्रीय विश्वविद्यालय में सात दिवसीय संगीत गुरु नमन कार्यशाला का समापन

गुरु और उनका आशीर्वाद भारतीय परंपरा और संस्कृति का अभिन्न अंग: सोहगौरा

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के संगीत विभाग में चल रही सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला गुरु नमन का मंगलवार को समापन हुआ। समापन सत्र की अध्यक्षता प्रो. पीके कठल द्वारा की गई। विशिष्ट अतिथि के रूप में कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने संगीत विभाग के लिए यथासंभव मदद पहुंचाने का आश्वासन दिया।

कुलसचिव सोहगौरा ने कहा कि गुरु का महत्व उनके शिष्यों को भली भांति पता होता है। अगर गुरु नहीं तो शिष्य भी नहीं, अर्थात गुरु के बिना शिष्य का कोई अस्तित्व नहीं होता है। प्राचीन काल से गुरु और उनका आशीर्वाद, भारतीय परंपरा और संस्कृति का अभिन्न अंग है।

मुख्य सत्र में विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. राहुल स्वर्णकार रहे। उन्होंने कार्यक्रम के संयोजन के साथ-साथ सत्र में उठान, पेशकार, उपज, कायदा आदि को सविस्तार समझाया। साथ ही तबले की पुरानी वादन शैली का वर्तमान में क्या अस्तित्व है, इस पर भी डॉ. स्वर्णकार ने प्रकाश डाला। आमंत्रित विषय विशेषज्ञ के रूप में आदर्श संगीत महाविद्यालय की प्राचार्या रागिनी श्रीवास्तव रहीं। इन्होंने कत्थक नृत्य का सविस्तार परिचय दिया। नाट्य कला एवं संगीत कला का आविर्भाव पृथ्वी पर कैसे हुआ, इस तथ्य को डॉ. अपर्णा चाचोंदिया द्वारा बताया गया। कार्यशाला का यह सत्र प्रस्तुति सहव्याख्यान पर आधारित रही। कत्थक नृत्य की परिभाषिक शब्दावली उठान, आमद, थाट, सलामी, तोड़ा आदि को आरोही श्रीवास्तव के द्वारा प्रस्तुत किया गया। हारमोनियम पर शोध छात्र यशगोपाल श्रीवास्तव एवं तबले पर शैलेन्द्र सिंह राजपूत द्वारा सफल संगत की गई। कौशल मेहरा एवं निखिल सोनी के द्वारा गुरु वंदना प्रस्तुत की गई। तबले पर संगत गगन राज ने की। सात दिवसीय अभ्यास सत्र में शोध छात्र आकाश जैन ने संगीत शास्त्र पर प्रकाश डाला। विभागीय प्रबंधन में सहयोग अरुण रैकवार एवं सुरेंद्र गर्ग ने दिया। सफल समापन डॉ. अवधेश प्रताप सिंह तोमर के कुशल समन्वय में हुआ। आभार प्रदर्शन डॉ. ललित मोहन एवं डीन एआईएस ने माना।

'समुन्दर से ज्यादा गहराई यदि कहीं और है तो वो बस सुरों के भीतर'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला गुरु नमन का मंगलवार को समापन हो गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. पीके कठल ने की। कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि के रूप में कुलसचिव संतोष सोहगौरा मौजूद रहे। समापन अवसर पर डॉ. अवधेश प्रताप सिंह तोमर के कुशल समन्वय में हुआ। मुख्य सत्र में विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. राहुल स्वर्णकार उपस्थित थे, जिन्होंने कार्यक्रम के संयोजन के साथ-साथ सत्र में उठान, पेशकार, उपज, कायदा आदि को सविस्तार समझाया। तबले की पुरानी वादन शैली का वर्तमान में क्या अस्तित्व है। इस पर भी डॉ. स्वर्णकार ने विस्तार से वर्णित किया। आमंत्रित विषय विशेषज्ञ के रूप में आदर्श संगीत महाविद्यालय की प्राचार्या रागिनी श्रीवास्तव रही। उन्होंने कत्थक नृत्य का सविस्तार परिचय दिया। नाट्यकला एवं संगीत कला का आविर्भाव पृथ्वी पर कैसे हुआ। इस तथ्य को डॉ. अपर्णा चाचोंदिया द्वारा बताया गया, जो कि शासकीय कन्या महाविद्यालय सागर में पदस्थ हैं।

आर्थिक संपन्न वर्ग में वैश्वीकरण के प्रभाव से खाद्य विकल्पों में बदलाव का विस्फोट हो रहा : प्रो. वेदवान

विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग के स्थापना दिवस पर शोध पत्रिका का प्रकाशन

भास्कर संवाददाता | सागर

आर्थिक संपन्न वर्गों में वैश्वीकरण के प्रभाव के कारण खाद्य विकल्पों में बदलाव का विस्फोट देखने में आ रहा है। विकासशील देशों में पशु उत्पादों के बढ़ते उपभोग की प्रवृत्ति एवं इससे जुड़ी चुनौतियों पर शोध अध्ययन में सामने आया है कि ग्रीन हाउस, गैस उत्सर्जन का एक कारण पशुधन एवं मांसाहार है। पशु उत्पाद के उपभोग की प्रवृत्ति में कमी आने के कारण उद्योग जगत में परिवर्तन आ रहे हैं। कुछ वर्गों ने अपने आहार में बदलाव करते हुए मांसाहार बंद कर दिया है। यह बात यूएसए के पर्यावरण मानव विज्ञानी प्रो. नीरज वेदवान ने कही। वे डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग के 66वें स्थापना दिवस के मौके पर आयोजित व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने ऑनलाइन जुड़कर पश्चिम देशों में खान पान आहार की चुनौतियां एवं संभावनाएं विषय पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में आहार का जो प्रचलन है। उन खाद्य सामग्रियों के उपयोग के विकल्पों और सांस्कृतिक मूल्यों पर अध्ययन किया गया है। इसमें देखने में आया है कि पश्चिम देशों में निवासरत लोगों के खानपान में मांसाहार होने से पोषक तत्वों की कमियां आ रही हैं। इससे उनकी जीवन शैली पर अनेक समस्याएं एवं चुनौतियां उत्पन्न हो रही हैं। लोगों में खाद्य सामग्रियों के प्रति असुरक्षा की स्थिति बन रही है। जिससे उद्योगों में भी परिवर्तन हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि आहार, खान-पान पर भौगोलिक और प्राकृतिक पर्यावरण के अनुरूप गहन शोध करने की जरूरत है। मास्को के याहूदकोविस ने पश्चिमी देशों में स्वास्थ्य एवं रोगों पर चिकित्सीय मानव विज्ञानी महत्व विषय पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि मनुष्यों को बहुआयामी परिस्थितिकी दृष्टिकोण से देखा जाता है। वह नृविज्ञान एवं अनुप्रयुक्त मानव विज्ञान के सबसे उच्च विकसित क्षेत्रों में से एक है और सामाजिक, सांस्कृतिक नृविज्ञान का घटक है। वह उन तरीकों की जांच करता है जिसमें संस्कृति, समाज एवं स्वास्थ्य के मुद्दे प्रभावित होते हैं। उन्होंने कहा कि मेडिकल एंथ्रोपोलॉजी वर्ष 1963 से सामाजिक प्रक्रियाओं, स्वास्थ्य, बीमारी और इनसे जुड़ी देखभाल पर अनुसंधान किया गया। यूरोप में इसमें चिकित्सा नृविज्ञान, स्वास्थ्य नृविज्ञान, बीमारी के नृविज्ञान शब्द का प्रयोग किया गया है। मानव विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश कुमार गौतम ने कहा कि दुनियाभर में शोध के क्षेत्रों में नवीन तकनीकी शोध प्रणालियों का उपयोग किया जा रहा है। विभाग में 27 शोधार्थी अपने विभिन्न विषयों पर शोधरत हैं। वह अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शोध के अनुरूप अग्रसर हों इसके लिए विभाग ने रूस के साथ शैक्षणिक एवं शोध कार्यों के लिए समझौता किया है। भविष्य में नए वैज्ञानिक पक्ष के साथ शोध परिणाम प्राप्त हो सकेंगे। संचालन डॉ. सर्वेन्द यादव, डॉ. आरिबम विजया सुन्दरी तथा आभार डॉ. सोनिया कौशल ने माना।

विश्वविद्यालय : प्रबंधन, इंजीनियरिंग के चार नए पाठ्यक्रम स्वीकृत

शीघ्र ही प्रारम्भ होगी प्रवेश प्रक्रिया

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में अब इंजीनियरिंग की पढ़ाई भी प्रारम्भ होगी। साथ ही हेल्थ केयर एंड हॉस्पिटल मैनेजमेंट और ट्रेवेल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट पाठ्यक्रम भी शुरू किये जा रहे हैं। आल इण्डिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन एआईसीटीई शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने की स्वीकृति दे दी है। कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता की अध्यक्षता में नए स्वीकृत पाठ्यक्रमों को लेकर एक बैठक संपन्न हुई जिसमें उन्होंने इंजीनियरिंग के दो नए पाठ्यक्रमों कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग एवं इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में प्रवेश दिए जाने की कार्ययोजना तैयार करने संबंधी दिशा निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने मैनेजमेंट के दो नए पीजी पाठ्यक्रमों हेल्थ केयर एंड हॉस्पिटल मैनेजमेंट तथा ट्रेवेल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट में भी प्रवेश दिए जाने की भी रूपरेखा तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग का सृजन किया जा चुका है। अभी इंजीनियरिंग के दो पाठ्यक्रमों से शुरुआत हो रही है। भविष्य में इंजीनियरिंग की अन्य शाखाओं के पाठ्यक्रम भी शुरू किये जाएंगे।

विद्यार्थियों के लिए लाभकारी सिद्ध होंगे चारों पाठ्यक्रम

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि विश्वविद्यालय को इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट के चार नए पाठ्यक्रम संचालित करने की स्वीकृति मिली है। पर्यटन उद्योग की दृष्टि से बुंदेलखंड एक महत्त्वपूर्ण ऐतिहासिक और सांस्कृतिक केंद्र है। उत्तम स्वास्थ्य हमारे लिए अपरिहार्य है। कोरोना काल ने हॉस्पिटल एंड हेल्थ केयर मैनेजमेंट की आवश्यकता महसूस कराई। विश्वविद्यालय में पहली बार इंजीनियरिंग के पाठ्यक्रम शुरू किये जा रहे हैं। रोजगार की दृष्टि से यह चारों ही पाठ्यक्रम महत्वपूर्ण हैं जो विद्यार्थियों के लिए काफी लाभकारी सिद्ध होंगे।

मैनेजमेंट के दोंनों पाठ्यक्रमों में 60-60 सीटों की मिली स्वीकृति

प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ भागवत ने बताया कि मैनेजमेंट के दोनों नए पीजी पाठ्यक्रमों में 60-60 सीटों की स्वीकृति मिली है। आगामी अकादमिक सत्र से प्रवेश दिए जाने संबंधी आवश्यक तैयारी की जा रही है। इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग के प्रभारी निदेशक प्रो आशीष वर्मा ने बताया कि इंजीनियरिंग के दोनों यूजी पाठ्यक्रमों में 60-60 सीटों की स्वीकृति मिली है जिसमें प्रवेश दिए जाने संबंधी आवश्यक तैयारी की जा रही है। बैठक में कुलसचिव संतोष सोहगौरा, निदेशक अकादमिक अफेयर्स प्रो नवीन कानगो एवं प्रभारी मीडिया अधिकारी डॉ विवेक जायसवाल उपस्थित रहे।

विवि में अब इंजीनियरिंग की पढ़ाई शुरू होगी

सागर. डॉक्टर हरीसिंह गौर विवि में अब इंजीनियरिंग की पढ़ाई भी प्रारम्भ होगी. साथ ही हेल्थ केयर एंड हॉस्पिटल मैनेजमेंट और ट्रेवेल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट पाठ्यक्रम भी शुरू किये जा रहे हैं. आल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन एआईसीटीई शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने की स्वीकृति दे दी है. कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की अध्यक्षता में नए स्वीकृत पाठ्यक्रमों को लेकर बैठक संपन्न हुई.

उन्होंने इंजीनियरिंग के दो नए पाठ्यक्रमों कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग एवं इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में प्रवेश दिए जाने की कार्ययोजना तैयार करने संबंधी दिशा-निर्देश दिए.

संक्षिप्त समाचार

चार नए पाठ्यक्रम स्वीकृत, शीघ्र ही प्रारम्भ होगी प्रवेश प्रक्रिया

सागर, आचरण। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में अब इंजीनियरिंग की पढ़ाई भी प्रारम्भ होगी. साथ ही 'हेल्थ केयर एंड हॉस्पिटल मैनेजमेंट' और 'ट्रेवेल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट' पाठ्यक्रम भी शुरू किये जा रहे हैं. आल इण्डिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीई), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने की स्वीकृति दे दी है. कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की अध्यक्षता में नए स्वीकृत पाठ्यक्रमों को लेकर एक बैठक संपन्न हुई जिसमें उन्होंने इंजीनियरिंग के दो नए पाठ्यक्रमों 'कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग' एवं 'इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग' में प्रवेश दिए जाने की कार्ययोजना तैयार करने संबंधी दिशा निर्देश दिए. साथ ही उन्होंने मैनेजमेंट के दो नए पीजी पाठ्यक्रमों 'हेल्थ केयर एंड हॉस्पिटल मैनेजमेंट' तथा 'ट्रेवेल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट' में भी प्रवेश दिए जाने की भी रूपरेखा तैयार करने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में 'इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग' का सृजन किया जा चुका है. अभी इंजीनियरिंग के दो पाठ्यक्रमों से शुरुआत हो रही है. भविष्य में इंजीनियरिंग की अन्य शाखाओं के पाठ्यक्रम भी शुरू किये जायेंगे। यह हर्ष का विषय है कि विश्वविद्यालय को इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट के चार नए पाठ्यक्रम संचालित करने की स्वीकृति मिली है. पर्यटन उद्योग की दृष्टि से बुंदेलखंड एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक और सांस्कृतिक केंद्र है. उत्तम स्वास्थ्य हमारे लिए अपरिहार्य है. कोरोना काल ने हॉस्पिटल एंड हेल्थ केयर मैनेजमेंट की आवश्यकता महसूस कराई. विश्वविद्यालय में पहली बार इंजीनियरिंग के पाठ्यक्रम शुरू किये जा रहे हैं. रोजगार की दृष्टि से यह चारों ही पाठ्यक्रम महत्त्वपूर्ण हैं जो विद्यार्थियों के लिए काफी लाभकारी सिद्ध होंगे। प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. श्री भागवत ने बताया कि मैनेजमेंट के दोनों नए पीजी पाठ्यक्रमों में 60-60 सीटों की स्वीकृति मिली है. आगामी अकादमिक सत्र से प्रवेश दिए जाने संबंधी आवश्यक तैयारी की जा रही है. 'इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग' के प्रभारी निदेशक प्रो. आशीष वर्मा ने बताया कि इंजीनियरिंग के दोनों यूजी पाठ्यक्रमों में 60-60 सीटों की स्वीकृति मिली है जिसमें प्रवेश दिए जाने संबंधी आवश्यक तैयारी की जा रही है. बैठक में कुलसचिव संतोष सोहगौरा, निदेशक अकादमिक अफेयर्स प्रो. नवीन कानगो एवं प्रभारी मीडिया अधिकारी डॉ. विवेक जायसवाल उपस्थित रहे।

अच्छी खबर : डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग व हेल्थ केयर एंड हॉस्पिटल मैनजमेंट व टूरिज्म मैनजमेंट कोर्स

दो-दो नए कोर्स के लिए 60-60 सीटें हुईं मंजूर, जल्द होंगे प्रवेश

नए स्वीकृत पाठ्यक्रमों को लेकर बैठक

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में अब इंजीनियरिंग की पढ़ाई भी होगी। साथ ही हेल्थ केयर एंड हॉस्पिटल मैनेजमेंट और ट्रेवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट पाठ्यक्रम भी शुरू किए जाएंगे। आल इण्डिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीइ) शिक्षा मंत्रालय ने विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम शुरू करने की मंजूरी दे दी है।

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की अध्यक्षता में नए स्वीकृत पाठ्यक्रमों को लेकर एक बैठक आयोजित की गई। उन्होंने इंजीनियरिंग के दो नए पाठ्यक्रमों कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में प्रवेश दिए जाने की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने मैनेजमेंट के दो नए पीजी पाठ्यक्रमों हेल्थ केयर एंड हॉस्पिटल मैनेजमेंट और ट्रेवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट में भी प्रवेश दिए जाने की भी रूपरेखा तैयार करने का कहा है।

प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. भागवत ने बताया कि मैनेजमेंट के दोनों नए पीजी पाठ्यक्रम व इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग 60-60 सीटों की स्वीकृति मिली है। आगामी अकादमिक सत्र से प्रवेश दिए जाने संबंधी आवश्यक तैयारी की जा रही है। बैठक में कुलसचिव संतोष सोहगौरा, निदेशक अकादमिक अफेयर्स प्रो. नवीन कांगो व प्रभारी मीडिया अधिकारी डॉ. विवेक जायसवाल उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय को इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट के चार नए पाठ्यक्रम संचालित करने की स्वीकृति मिली है। पर्यटन उद्योग की दृष्टि से बुंदेलखंड एक महत्वपूर्ण केंद्र है। विश्वविद्यालय में पहली बार इंजीनियरिंग के पाठ्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं। रोजगार की दृष्टि से यह चारों ही पाठ्यक्रम महत्वपूर्ण हैं।

प्रो. नीलिमा गुप्ता, कुलपति

विवि में अब जल्द शुरु होगी इंजीनियरिंग की पढ़ाई, शीघ्र ही प्रारंभ होगी प्रवेश प्रक्रिया

सागर (नवदुनिया प्रतिनिधि)। डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में अब इंजीनियरिंग की पढाई भी प्रारंभ होगी। साथ ही हेल्थ केयर एंड हास्पिटल मैनेजमेंट और ट्रेवेल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट पाठ्यक्रम भी शुरु किए जा रहे हैं। आल इण्डिया काउंसिल फार टैक्निकल एजुकेशन (एआइसीटीइ), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की स्वीकृति दे दी है।

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की अध्यक्षता में नए स्वीकृत पाठ्यक्रमों को लेकर एक बैठक संपन्न हुई जिसमें उन्होंने इंजीनियरिंग के दो नए पाठ्यक्रमों कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग एवं इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में प्रवेश दिए जाने की कार्ययोजना तैयार करने संबंधी दिशा निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने मैनेजमेंट के दो नए पीजी पाठ्यक्रमों हेल्थ केयर एंड हास्पिटल मैनेजमेंट व ट्रेवेल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट में भी प्रवेश दिए जाने की भी रूपरेखा तैयार करने का निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि कोरोना महामारी के समय विवि के अधिकारी व कर्मचारियों को भी चिकित्सा सेवा के लिए परेशान होना पड़ा था, लेकिन विवि में भी अब स्वास्थ्य सेवा में सुधार होगा।

स्वीकृति : प्रबंधन एवं इंजीनियरिंग के चार नए पाठ्यक्रम स्वीकृत

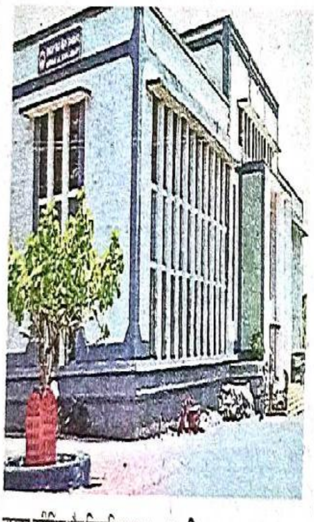

डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय। • नवदुनिया

60-60 सीटों की मिली स्वीकृति

प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष डा. भागवत ने बताया कि मैनेजमेंट के दोनों नए पीजी पाठ्यक्रमों में 60-60 सीटों की स्वीकृति मिली है। आगामी अकादमिक सत्र से प्रवेश दिए जाने संबंधी आवश्यक तैयारी की जा रही है। इंस्टिट्यूट आफ इंजीनियरिंग के प्रभारी निदेशक प्रो. आशीष वर्मा ने बताया कि इंजीनियरिंग के दोनों यूजी पाठ्यक्रमों में 60-60 सीटों की स्वीकृति मिली है, जिसमें प्रवेश दिए जाने संबंधी आवश्यक तैयारी की जा रही है। बैठक में कुलसचिव संतोष सोहगौरा, निदेशक अकादमिक अफेयर्स प्रो. नवीन कानगो एवं प्रभारी मीडिया अधिकारी डा. विवेक जायसवाल उपस्थित रहे।

इंजीनियरिंग के नए पाठ्यक्रम भी होंगे शुरू

विवि में इंजीनियरिंग की पढ़ाई शुरु होने से विद्यार्थियों को ज्यादा रकम भी खर्च नहीं करना होगी। प्रारंभिक तौर पर विवि में अभी इंजीनियरिंग के दो पाठ्यक्रमों से शुरुआत हो रही है। भविष्य में इंजीनियरिंग की अन्य शाखाओं के पाठ्यक्रम भी शुरू किए जाएंगे। इससे इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को सरकारी कालेज में प्रवेश के लिए परेशान नहीं होना होगा।

विवि को इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट के चार नए पाठ्यक्रम संचालित करने की स्वीकृति मिली है, पर्यटन उद्योग की दृष्टि से बुंदेलखंड एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक और सांस्कृतिक केंद्र है। उत्तम स्वास्थ्य हमारे लिए अपरिहार्य है। कोरोना काल ने हास्पिटल एंड हेल्थ केयर मैनेजमेंट की आवश्यकता महसूस कराई। विश्वविद्यालय में पहली बार इंजीनियरिंग के पाठ्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं। रोजगार की दृष्टि से यह चारों ही पाठ्यक्रम मत्वपूर्ण हैं जो विद्यार्थियों के लिए काफी लाभकारी सिद्ध होंगे।

- प्रो. नीलिमा गुप्ता, कुलपति, डा. हरीसिंह गौर विवि सागर

उच्च शिक्षा: इंजीनियरिंग और प्रबंधन के चार नए कोर्स शुरू करने की मिली स्वीकृति, चारों कोर्स में 60-60 सीटें होंगी, इसी सत्र से 240 सीट पर मिलेगा प्रवेश

विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग की पढ़ाई होगी, एमबीए के दो नए कोर्स भी स्वीकृत

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में नए सत्र से इंजीनियरिंग की पढ़ाई भी होगी। साथ ही प्रबंधन के दो नए कोर्स भी शुरू होंगे। इंजीनियरिंग में बीटेक के दोनों पाठ्यक्रमों की डिग्री 4-4 साल की होगी, जबकि प्रबंधन के दोनों पाठ्यक्रम 2 साल के होंगे। ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की स्वीकृति दे दी है। इसी प्रकार प्रबंधन के दो नए पाठ्यक्रम शुरू करने की भी स्वीकृति मिल गई है। विश्वविद्यालय में प्रबंधन की पढ़ाई पहले से ही हो रही है। उसमें दो नए पाठ्यक्रम और जुड़ने जा रहे हैं। सत्र 2022-23 से ही एडमिशन दिए जाएंगे। इसके लिए एक एडवाइजरी कमेटी का गठन किया गया है, जो एडमिशन की प्रक्रिया तय करेगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम में 60-60 सीट स्वीकृत हुई हैं। इस हिसाब से 240 सीट पर विद्यार्थी दाखिला ले सकेंगे। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की अध्यक्षता में नए स्वीकृत पाठ्यक्रमों के संबंध में बैठक हुई। जिसमें उन्होंने इंजीनियरिंग के दो नए पाठ्यक्रम 'कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग' एवं 'इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग' में प्रवेश दिए जाने की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रबंधन के दो नए पीजी पाठ्यक्रम 'हेल्थ केयर एंड हॉस्पिटल मैनेजमेंट' तथा 'ट्रेवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट' में भी प्रवेश दिए जाने की भी रूपरेखा तैयार करने का निर्देश दिया। कुलपति ने कहा विश्वविद्यालय में 'इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग' का सृजन किया जा चुका है। अभी इंजीनियरिंग के दो पाठ्यक्रमों से शुरुआत हो रही है। भविष्य में इंजीनियरिंग की अन्य ब्रांच के पाठ्यक्रम भी शुरू किए जाएंगे। पर्यटन उद्योग की दृष्टि से बुंदेलखंड महत्वपूर्ण ऐतिहासिक और सांस्कृतिक केंद्र है। उत्तम स्वास्थ्य हमारे लिए जरूरी है। कोरोना काल ने हॉस्पिटल एंड हेल्थ केयर मैनेजमेंट की आवश्यकता महसूस कराई। विश्वविद्यालय में पहली बार इंजीनियरिंग के पाठ्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं। रोजगार की दृष्टि से यह चारों ही पाठ्यक्रम महत्वपूर्ण हैं जो विद्यार्थियों के लिए काफी लाभकारी सिद्ध होंगे। व्यवसाय एवं प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीभागवत ने बताया कि मैनेजमेंट के दोनों नए पीजी पाठ्यक्रमों में 60-60 सीट की स्वीकृति मिली है। आगामी अकादमिक सत्र से प्रवेश दिए जाने संबंधी आवश्यक तैयारी की जा रही है। इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग के प्रभारी निदेशक प्रो. आशीष वर्मा ने बताया कि इंजीनियरिंग के दोनों यूजी पाठ्यक्रमों में 60-60 सीट की स्वीकृति मिली है। इनमें प्रवेश देने के लिए आवश्यक तैयारी की जा रही है। बैठक में कुलसचिव संतोष सोहगौरा, निदेशक अकादमिक अफेयर्स नवीन कानगो एवं प्रभारी मीडिया अधिकारी डॉ. विवेक जायसवाल मौजूद थे।

विश्वविद्यालय प्रबंधन एवं इंजीनियरिंग के चार नए पाठ्यक्रम स्वीकृत

शीघ्र ही प्रारम्भ होगी प्रवेश प्रक्रिया

जागरण, सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में अब इंजीनियरिंग की पढ़ाई भी प्रारम्भ होगी साथ ही हेल्थ केयर एंड हॉस्पिटल मैनेजमेंट और ट्रेवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट पाठ्यक्रम भी शुरू किये जा रहे हैं। ऑल इण्डिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन, आईसीटीइ शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार ने विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग पाठ्यगिम प्रारम्भ करने की स्वीकृति दे दी है। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की अध्यक्षता में नए स्वीकृत पाठ्यक्रमों को लेकर एक बैठक हुई जिसमें उन्होंने इंजीनियरिंग के दो नए पाठ्यक्रमों कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग एवं इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंगष् में प्रवेश दिए जाने की कार्ययोजना तैयार करने संबंधी दिशा निर्देश दिए। उन्होंने मैनेजमेंट के दो नए पीजी पाठ्यक्रमों प्हेल्थ केयर एंड हॉस्पिटल मैनेजमेंट तथा ट्रेवेल एंड टूरिज्म मैनेजमेंटमें भी प्रवेश दिए जाने की भी रूपरेखा तैयार करने का निर्देश दिया उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग का सृजन किया जा चुका है अभी इंजीनियरिंग के दो पाठ्यक्रमों से शुरुआत हो रही है, भविष्य में इंजीनियरिंग की अन्य शाखाओं के पाठ्यक्रम भी शुरू किये जायेंगे। रोजगार की दृष्टि से यह चारों ही पाठ्यक्रम महत्त्वपूर्ण हैं जो विद्यार्थियों के लिए लाभकारी सिद्ध होंगे।

60-60 सीटों की मिली स्वीकृति

प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. भागवत ने बताया कि मैनेजमेंट के दोनों नए पीजी पाठ्यक्रमों में 60-60 सीटों की स्वीकृति मिली है। आगामी अकादमिक सत्र से प्रवेश दिए जाने संबंधी आवश्यक तैयारी की जा रही हैं। इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग के प्रभारी निदेशक प्रो. आशीष वर्मा ने बताया कि इंजीनियरिंग के दोनों यूजी पाठ्यक्रमों में 60 /60 सीटों की स्वीकृति मिली है। बैठक में कुल सचिव संतोष सोहगौरा, निदेशक अकादमिक अफेयर्स प्रो. नवीन कानगो एवं प्रभारी मीडिया अधिकारी डॉ. विवेक जायसवाल उपस्थित थे।

विश्वविद्यालय में कोविड टीकाकरण शिविर आरंभ

सागर, आचरण। आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत 27 जुलाई से डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केंद्र में कोविड-19 की प्रिकॉशन डोज हेतु टीकाकरण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस टीकाकरण शिविर में लगभग 100 हितग्राहियों द्वारा कोविड की ऐतिहातन डोज लगवाई गई। इस टीकाकरण के महत्त्व को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य केंद्र में विजिटिंग कक्ष, ऑब्जरवेशन कक्ष और टीकाकरण कक्ष निर्धारित किए हैं। जहां यह कार्यक्रम सतत चलेगा। प्रभारी स्वास्थ्य केंद्र एवं समन्वयक टीकाकरण डॉक्टर अभिषेक जैन द्वारा जिला टीकाकरण अधिकारी को पूरे केंद्र की गतिविधियों से अवगत कराया है। माननीय कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता जी द्वारा भी शीघ्र से शीघ्र विश्वविद्यालय के छात्र छात्राओं, शिक्षकों, प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों आदि से वैक्सीन लगवाने हेतु प्रेरित करने संबंधी आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इस संदर्भ में कुलपति ने एक अतिआवश्यक बैठक को भी संबोधित किया। टीकाकरण केंद्र सुबह 10 बजे से सायं 5 बजे तक खुला रहेगा। डॉक्टर अभिषेक जैन ने बताया कि इस विशेष अभियान के तहत 18 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्ति जिनके दूसरी खुराक के 6 महीने हो चुके हैं वह कोविड-19 प्रिकॉशन डोज के लिए पात्र होंगे।

टीकाकरण शिविर

सागर. डॉ. हरीसिंह गौर विवि के स्वास्थ्य केंद्र में कोविड-19 की प्रिकॉशन डोज हेतु टीकाकरण शिविर का आयोजन किया जा रहा है. टीकाकरण शिविर में लगभग 100 हितग्राहियों द्वारा कोविड की ऐतिहातन डोज लगवाई गई. इस टीकाकरण के महत्त्व को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य केंद्र में विजिटिंग कक्ष, ऑब्जरवेशन कक्ष और टीकाकरण कक्ष निर्धारित किए हैं, जहां यह कार्यक्रम सतत चलेगा. प्रभारी स्वास्थ्य केंद्र एवं समन्वयक टीकाकरण डॉ. अभिषेक जैन द्वारा जिला टीकाकरण अधिकारी को पूरे केंद्र की गतिविधियों से अवगत कराया है.

वृक्ष मनुष्य के स्वाभाविक सहचर एवं संरक्षक हैं: प्रो. नीलिमा गुप्ता

जागरण, सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में हरियाली अमावस्या के अवसर पर नवीन प्रशासनिक भवन परिसर में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने सघन पौध रोपण किया। शिक्षकों, अधिकारियों कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को वृक्षारोपण के पर्यावरणीय महत्त्व हेतु वृक्ष मित्र बनने के लिए सामूहिक शपथ दिलवाते हुए कुलपति ने कहा कि वृक्ष मनुष्य के स्वाभाविक सहचर एवं संरक्षक हैं इन्हें जीतना ज्यादा हो सके उतना लगाना चाहिए और उनका पोषण करना चाहिए। वृक्ष धरती के परिधान होने के साथ-साथ वर्षा ऋतु के प्राकृतिक आतिथेय हैं वृक्ष बचेंगे तो ही मानवता बचेगी। इस कार्यक्रम में विकासार्थ विद्यार्थी आयाम सागर के प्रमुख गैर-सरकारी संगठन विचार संस्था एवं अन्य समूहों ने राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर की विश्वविद्यालयी इकाइयों के माध्यम से वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर कुल सचि संतोष सौहगौरा, पर्यावरण केंद्र के समन्वयक प्रो. दीपक व्यास, प्रो. नवीन कांगो, प्रो. कालीनाथ झा, डॉ. उषा राना, डॉ. सुनीत वालिया, श्रीराम रिछारिया, सहित शिक्षक छात्र-छात्रायें, एनसीसी, एनएसएस के कैडिट्स मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन एनएसएस के समन्वयक डॉ. संजय शर्मा ने किया।

एक नजर में

अभियान में दो हजार पौधा रोपने का संकल्प लिया

दो हजार पौधारोपण का लक्ष्य लेकर किया पौधारोपण। ● नवदुनिया

सागर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद एवं डा हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में दो हजार पौधरोपण का लक्ष्य लेकर अभियान की शुरूआत की गई। मुख्य अतिथि प्रो नीलिमा गुप्ता एवं रजिस्ट्रार संतोष सहगोरा, विभाग संयोजक श्रीराम रिछारिया, रोबिन श्रीवास्तव के द्वारा मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र के समक्ष दीपप्रज्वलन किया गया। कुलपति ने पौधरोपण कर विश्वविद्यालय परिवार एवं विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, वृक्षमित्र हेतु शपथ दिलाई। इस दौरान राज चौहान, रमन मिश्रा, युवराज, अनुश्री, योगेश, रत्नेश, पुष्पराज, सत्यभगत, उत्कर्ष काजल, प्रियांशी, आयुष, अभिसार मौजूद रहे। (नप्र)

'वृक्ष मनुष्य के स्वाभाविक सहचर एवं संरक्षक है'

सागर @ पत्रिका. डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में हरियाली अमावस्या के अवसर पर नवीन प्रशासनिक भवन परिसर में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा सघन वृक्षारोपण किया गया। साथ ही शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को वृक्षारोपण के पर्यावरणीय महत्व के लिए वृक्षमित्र बनने के लिए सामूहिक शपथ दिलवाई। उन्होंने कहा कि वृक्ष मनुष्य के स्वाभाविक सहचर एवं संरक्षक है। इन्हें जितना ज्यादा हो सके उतना लगाना चाहिए और उनका पोषण करना चाहिए। कार्यक्रम में विकासार्थ विद्यार्थी आयाम, सागर के प्रमुख गैर-सरकारी संगठन विचार संस्था एवं अन्य समूहों ने राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर की विश्वविद्यालयी इकाइयों के माध्यम से पौधरोपण किया।

आयोजन हरियाली अमावस्या के अवसर पर सघन वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ

वृक्ष मनुष्य के स्वाभाविक सहचरः नीलिमा

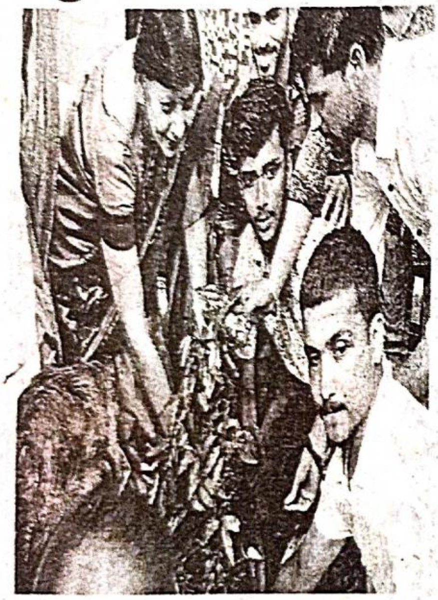

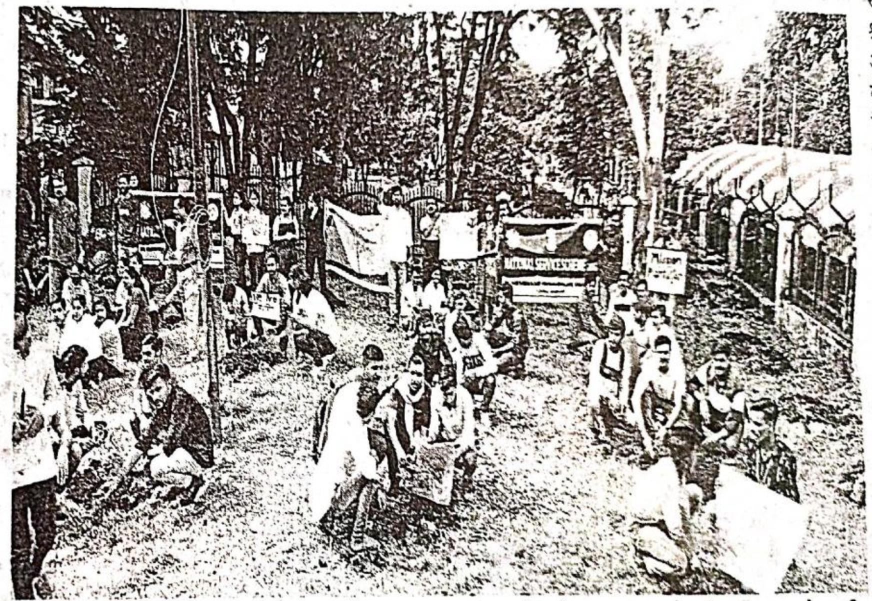

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में हरियाली अमावस्या के अवसर पर नवीन प्रशासनिक भवन परिसर में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा सघन वृक्षारोपण किया गया. साथ ही शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को वृक्षारोपण के पर्यावरणीय महत्त्व हेतु वृक्षमित्र बनने के लिए सामूहिक शपथ दिलवाते हुए कुलपति प्रो. गुप्ता ने कहा कि वृक्ष मनुष्य के स्वाभाविक सहचर एवं संरक्षक है. इन्हें जीतना ज्यादा हो सके उतना लगाना चाहिए और उनका पोषण करना चाहिए. वृक्ष धरती के परिधान होने के साथ- साथ वर्षा ऋतु के प्राकृतिक आतिथेय है।

वृक्ष बचेंगे तो ही मानवता बचेगी. इस कार्यक्रम में विकासार्थ विद्यार्थी आयाम, सागर के प्रमुख गैर-सरकारी संगठन विचार संस्था एवं अन्य समूहों ने राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर की विश्वविद्यालयी इकाइयों के माध्यम से वृक्षारोपण किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव संतोष सौहगौरा, पर्यावरण केंद्र के समन्वयक प्रो. दीपक व्यास, प्रो. नवीन कांगो, प्रो. कालीनाथ झा, डॉ. उषा राना, डॉ. सुनीत वालिया, डॉ. वंदना विनायक, डॉ. आशुतोष, श्रीराम रिछारिया, विशाल रांडवा सहित समस्त शिक्षकगण, छात्र - छात्रायें , एन.सी.सी. / एन.एस.एस. के कैडिट्स, अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण नवीन प्रशासनिक भवन परिसर में आयोजित इस वृक्षारोपण कार्यक्रम में सहभागिता कर वृक्षारोपण कार्यक्रम को सफल बनाया। इस कार्यक्रम का संचालन एन.एस.एस. के समन्वयक डॉ. संजय शर्मा ने किया।

वृक्ष मनुष्य के स्वाभाविक सहचर एवं संरक्षक हैं

नवभारत न्यूज

सागर 28 जुलाई. डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में हरियाली अमावस्या के अवसर पर नवीन प्रशासनिक भवन परिसर में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा सघन वृक्षारोपण किया गया.

कुलपति प्रो. गुप्ता ने कहा कि वृक्ष मनुष्य के स्वाभाविक सहचर एवं संरक्षक है. इन्हें जीतना ज्यादा हो सके उतना लगाना चाहिए और उनका पोषण करना चाहिए. वृक्ष धरती के परिधान होने के साथ-साथ वर्षा ऋतु के प्राकृतिक आतिथेय है, वृक्ष बचेंगे तो ही मानवता बचेगी.कार्यक्रम में विकासार्थ विद्यार्थी आयाम, सागर के प्रमुख गैर-सरकारी संगठन विचार संस्था एवं अन्य समूहों ने राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर की विश्वविद्यालयी इकाइयों के माध्यम से वृक्षारोपण किया. इस अवसर पर कुलसचिव संतोष सौहगौरा, पर्यावरण केंद्र के समन्वयक प्रो.दीपक व्यास, प्रो. नवीन कांगो, प्रो.कालीनाथ झा, डॉ. उषा राना, डॉ.सुनीत वालिया, डॉ. वंदना विनायक, डॉ. आशुतोष, श्रीराम रिछारिया, विशाल रांडवा आदि मौजूद रहे.

विश्वविद्यालय में लगाया दुर्लभ प्रजाति का कल्पवृक्ष

जागरण, सागर। हरियाली अमावस्या के अवसर पर डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में कुलपति कार्यालय के बाजू वाले प्रांगण में विचार समिति द्वारा दुर्लभ प्रजाति का कल्पवृक्ष लगाया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि हम अपने विश्वविद्यालय, विभाग, नगर, घर एवं आसपास वृक्ष लगाएंगे और उनको संरक्षित भी करेंगे। हम अन्य लोगों को भी वृक्षमित्र बनकर वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करेंगे। इस अवसर पर कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि वृक्षरोपण कर इस कार्यक्रम के माध्यम से इस बात पर जोर दिया जाता है कि एक स्थिर और स्वस्थ समाज के संरक्षण के लिए पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करना कितना महत्वपूर्ण है।

SagarUniversity DoctorGour Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya,Sagar

संकलन, चयन एवं संपादन

कार्यालय, मीडिया अधिकारी

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

Email- mediaofficer@dhsgsu.edu.in Website- www.dhsgsu.edu.in